जम्मू लद्दाख विज़न

आर एन आई नंबर: जेकेएचआईएन/2019/78824 । पोस्टल नंबर : एल-29/जेके.579/24-26

साप्ताहिक । वर्ष : 6 । जम्म । अंक : 43 । सोमवार 4 नवंबर 2024 । मूल्य : 3 रूपए । पेज : 16

रोजगार के आंकड़े पर दुष्प्रचार करना बंद करे कांग्रेस... हरदीप पुरी का मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना

पेज 7...

आईपीएल 2025 से बाहर हुआ ये कप्तान, ऑक्शन में नाम ना देने का किया फैसला! ये है वजह

पेज 9...

सुनील दत्त ने ऐसे तय किया बस कंडक्टर से लेकर बॉलीवुड और फिर सफल राजनेता तक का सफर

पेज 10...

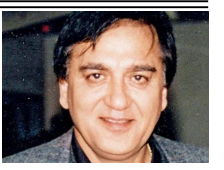

हम अपनी सीमा पर एक इंच भी समझौता नहीं कर सकते, देश की सुरक्षा सर्वोपरि है: प्रधानमंत्री मोदी

सर क्रीक में सैनिकों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सीमा सुरक्षा पर समझौता न करने की प्रतिबद्धता जताई, देश की ताकत के प्रति गर्व जताया।

tEe yík[k fotu C;jk

भुज : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के कच्छ में भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के साथ दिवाली मनाते हुए गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार देश की सीमा के एक इंच पर भी समझौता नहीं कर सकती।

मोदी ने जिले के सर क्रीक में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सेना, नौसेना और वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत के लोगों को लगता है कि आपका कारण ही उनका देश सुरक्षित है; जब दुनिया आपको देखती है तो वह भारत की ताकत देखती है,

जब दुश्मन आपको देखते हैं तो उन्हें उनकी नापाक साजिशों का अंत दिखाई देता है।''

मोदी ने कहा, अतीत में इस क्षेत्र को युद्ध के मैदान में बदलने की कोशिश की गई। दुश्मन की नज़र इस क्षेत्र पर लंबे समय से है। लेकिन हमें इसकी चिंता नहीं है क्योंकि आप देश की रक्षा कर रहे हैं। हमारे दुश्मन भी इसे अच्छी तरह जानते हैं।ष उन्होंने कहा, ष्आज देश में ऐसी सरकार है जो देश की एक इंच सीमा पर भी समझौता नहीं कर सकती।ष

यह टिप्पणी भारतीय और चीनी सैनिकों द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और देपसांग मैदानों में दो घर्षण बिंदुओं पर वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के एक दिन बाद आई है।

पिछले सप्ताह, नई दिल्ली और बीजिंग सीमा पर सैनिकों की वापसी पर सहमत हुए, जहां दोनों देशों के बीच गतिरोध के चार साल बाद, दोनों पक्षों के 50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं। अपने संबोधन में मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के दुश्मन जब भारतीय सशस्त्र बलों को देखते हैं तो उन्हें "अपनी

■ शेष पेज 2...

कश्मीरी पंडितों के बिना कश्मीर घाटी अधूरी है: डॉ. जितेंद्र

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि कश्मीरी पंडित (केपी) समुदाय के बिना कश्मीर घाटी अधूरी है। उन्होंने कहा कि उनका पलायन घाटी के लिए एक नुकसान है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह आज यहां गांधी मेमोरियल कैंप कॉलेज में 'माता सरस्वती ऑडिटोरियम' का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कश्मीर की विशेषता रही मिश्रित संस्कृति को बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि घाटी की विरासत को कश्मीरी पंडितों ने अन्य समुदायों के साथ सद्भाव से रहकर जीवित रखा है। मंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब दोनों समुदाय शांति और सद्भाव के साथ रहेंगे।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में चीजें अच्छी हुई हैं। उन्होंने कहा कि दिल से आम आदमी, यहां तक कि कश्मीरी मुस्लिम समुदाय भी अनुच्छेद 370

■ शेष पेज 2...

यूटी स्थापना दिवस समारोह: प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है कि उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा: उपराज्यपाल

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि उनके प्रशासन ने लोगा. ` की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है और पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियां केंद्र शासित प्रदेश के लोगों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता का रिपोर्ट कार्ड है।

जेके यूटी स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मनोज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया है कि उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा।

मनोज सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट

में कहा, ष्आज जम्मू-कश्मीर केंद्र समारोह को संबोधित किया। शासित प्रदेश के स्थापना दिवस

■ शेष पेज 2...

भाजपा ने देवेंद्र सिंह राणा को पुष्पांजलि अर्पित की

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पार्टी अध्यक्ष रविंद्र रैना, कार्यकारी अध्यक्ष सत शर्मा, सां. सदों, पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं, विधायकों ने देवेंद्र सिंह राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रविंद्र रैना ने राणा के निधन को

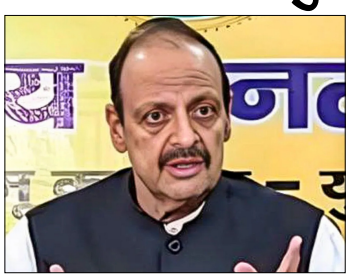

पार्टी के साथ-साथ पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए बड़ी क्षति बताया। उन्होंने इस क्षति को श्अनहोनीश बताया और कहा कि सभी उन्हें नम आंखों और भारी मन से याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवेंद्र सिंह राणा ने हमेशा राजनीतिक बंधनों से परे नैतिकता के साथ साफ दिल की राजनीति की। उन्होंने सभी से दोस्ती की कला सीखने और दोस्त या दुश्मन सभी से रिश्ते बनाने

■ शेष पेज 2...

पूर्व मंत्री सत शर्मा जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष बने

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : पूर्व मंत्री सतपाल शर्मा भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष बने हैं। वे 2015 से 2018 के बीच ढाई साल तक इस पद पर रहे थे।

63 वर्षीय शर्मा को हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी का टिकट नहीं मिला था। टिकट बंटवारे को लेकर नाराजगी के बीच उन्हें सितंबर में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और अब उन्हें पार्टी की सबसे लंबे समय तक

■ शेष पेज 2...

शेष पेज १ से.....

हम अपनी सीमा....

नापाक योजनाओं का अंत दिखाई देता है"। उन्होंने कहा कि अतीत में दुश्मन द्वारा "कूटनीति के नाम पर" सर क्रीक पर कब्ज़ा करने के प्रयास किए गए थे, लेकिन उन्होंने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में ऐसे प्रयासों के खिलाफ़ आवाज़ उठाई थी।

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, मोदी ने कहा कि उनकी सरकार देश की रक्षा के लिए सेना की ताकत में विश्वास करती है और भारत के दुश्मनों की बातों पर निर्भर नहीं रहती।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बात करते हुए मोदी ने क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय परिस्थितियों का सामना करते हुए भारतीय नागरिकों की रक्षा करने के लिए सेना के जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। ष्कच्छ के क्रीक क्षेत्र में लक्की नाला में बीएसएफ, सेना, नौसेना और वायु सेना के हमारे बहादुर कर्मियों के साथ दिवाली मनाकर खुशी हुई। यह क्षेत्र चुनौतीपूर्ण और दुर्गम दोनों है। दिन बहुत गर्म होते हैं और ठंड भी पड़ती है। क्रीक क्षेत्र में अन्य पर्यावरणीय चुनौतियाँ भी हैं। हमारे सुरक्षाकर्मी दुर्गम स्थानों पर भी डटे रहते हैं और हमारी रक्षा करते हैं। हमें उन पर बहुत गर्व है।ष

सशस्त्र बलों के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम सेना, नौसेना और वायु सेना को अलग–अलग इकाई के रूप में देखते हैं, "लेकिन जब वे एक साथ आएंगे तो उनकी ताकत कई गुना बढ़ जाएगी।" उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सशस्त्र बलों को नवीनतम उपकरण प्रदान करने और उन्हें दुनिया की सबसे उन्नत सेनाओं में से एक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के पद का सृजन एक कदम आगे था और सरकार अब एकीकृत थिएटर कमान बनाने पर काम कर रही है, जिससे सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच बेहतर समन्वय आएगा।

उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्रालय के स्वामित्व वाली वैधानिक संस्था सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने अब तक 80,000 किलोमीटर सड़कें बनाई हैं।

उन्होंने कहा, ष्यह नए युग के युद्ध का युग है। ड्रोन तकनीक इसका एक उदाहरण है। वर्तमान में युद्धरत देश अलग–अलग उद्देश्यों के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं। हम सशस्त्र बलों के तीनों अंगों के लिए प्रीडेटर ड्रोन खरीद रहे हैं।ष

कश्मीरी पंडितों के...

के हटने से खुश है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने समकालीन भारत की आवश्यकताओं के अनुसार भारत के शिक्षा क्षेत्र को नया रूप देने के एक महान मिशन की शुरुआत की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की मुख्य विशेषताओं को गिनाते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसने छात्रों को उनके माता–पिता और साथियों द्वारा उनके लिए चुने गए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के बंधन से मुक्त करने का आधार तैयार किया है। उन्होंने कहा कि एनईपी के कार्यान्वयन के साथ, छात्र अब अपनी प्रतिभा के अनुरूप उच्च पाठ्यक्रम चुनने के लिए स्वतंत्र हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने शिक्षकों से छात्रों की अंतर्निहित प्रतिभा को पहचानने और उसके अनुसार उनका मार्गदर्शन करने का आग्रह किया ताकि वे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए सबसे अच्छा समय है और देश अन्य देशों के बराबर है, खासकर शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप के मामले में। उन्होंने बताया कि भारत विश्व स्टार्टअप इकोसिस्टम में तीसरे स्थान पर है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार, 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में जम्मू–कश्मीर अग्रणी देशों में से एक होगा। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें छात्रों को विकसित भारत के निर्माता बनाने के लिए आगे आना होगा। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करें, उन्होंने कहा कि आजकल, लागत प्रभावी साहित्य आसानी से उपलब्ध है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने हिमालय के जैव संसाधनों के दोहन का आह्वान करते हुए कहा कि इनमें भारत की अर्थव्यवस्था में मूल्य संवर्धन की क्षमता है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे छात्रों को स्टार्टअप पहल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें जो स्वरोजगार के नए रास्ते बनकर उभरे हैं।

मंत्री ने बताया कि सरकार ने स्टार्टअप के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए देशभर में स्टार्टअप प्रदर्शनी आयोजित करने का फैसला किया है। उन्होंने आगे बताया कि ऐसी ही एक प्रदर्शनी जल्द ही श्रीनगर में आयोजित की जाएगी।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पर्पल रिवोल्यूशन की सफलता पर प्रकाश डाला, जिसने जम्मू–कश्मीर को स्टार्टअप के विश्व मानचित्र पर ला खड़ा किया है।

यूटी स्थापना दिवस...

सुरक्षित और समृद्ध केंद्र शासित प्रदेश के लिए अथक परिश्रम करने वाले लोगों को बधाई दी। पिछले 5 वर्षों में हुए परिवर्तन की उपलब्धियाँ माननीय प्रधानमंत्री श्री /दंतमदकतंउवकप जी की जम्मू–कश्मीर के लोगों के प्रति प्रतिबद्धता का रिपोर्ट कार्ड है।ष

उन्होंने कहा, ष्यह एक वास्तविकता है कि जम्मू–कश्मीर आज एक केंद्र शासित प्रदेश है और सदस्यों ने संविधान के प्रति अपनी सच्ची आस्था और निष्ठा की शपथ ली है और इसकी पुष्टि की है। जब यह राज्य बन जाएगा, तो हम निश्चित रूप से राज्य का दर्जा दिवस मनाएंगे। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने आश्वासन दिया है कि उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा।ष

उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में तीव्र विकास के लिए मजबूत आधारशिला रखी गई है।

उन्होंने कहा, ष्आज जम्मू–कश्मीर राष्ट्रीय पटल पर गर्व से खड़ा है– ऊंचा, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरा हुआ। सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास के लिए एक मजबूत नींव रखी गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया है।ष

मनोज सिन्हा ने जम्मू–कश्मीर की निवेश संभावनाओं के बारे में भी बात की और कहा कि विकास को पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने कहा, ष्हमारी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। शांति, स्थिरता, कानून का शासन और समय–परीक्षित लोकतांत्रिक मूल्य जम्मू–कश्मीर को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। जम्मू–कश्मीर में निवेशकों का विश्वास पिछले चार वर्षों में हुए निवेश प्रवाह में परिलक्षित होता है।ष

उन्होंने कहा, ष्मेरा सपना है कि हर परिवार समृद्ध हो। मेरा सपना है कि बुनियादी ढांचे, उद्योगों का तेजी से विकास हो और विकास का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।ष

उपराज्यपाल ने जम्मू–कश्मीर बैंक में हुए सुधार का भी उल्लेख किया।

ष्जेएंडके बैंक यूटी की सबसे बड़ी सफलता की कहानियों में से एक है। 2019–20 में, बैंक ने 1139 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था। वित्त वर्ष 2023–24 में, इसने 1700 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया। चालू वित्त वर्ष में, जेएंडके बैंक ने 991 करोड़ रुपये का लाभ कमाया,ष कहा।

इस महीने की शुरुआत में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद जम्मू–कश्मीर में एक निर्वाचित सरकार है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। राज्य के राजनीतिक दल राज्य का दर्जा जल्द बहाल करने की मांग कर रहे हैं।

भाजपा ने...

का आह्वान किया। जुगल ने खराब स्वास्थ्य के बावजूद देवेंद्र सिंह राणा के सक्रिय कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि अपने समर्पण से देवेंद्र सिंह राणा ने पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। उन्होंने कहा कि सभी को राणा के जीवन से सीखना चाहिए कि लोगों से कैसे जुड़ा जाए। गुलाम अली खटाना ने कहा कि हमने एक श्हम सबका दोस्तश खो दिया है और दिवंगत आत्मा के परिजनों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। कविंदर गुप्ता ने कहा कि हालांकि देवेंद्र सिंह राणा शुरू में राष्ट्रीय सम्मेलन में थे, लेकिन वे हमेशा अन्य दलों के सदस्यों की बात सुनने के लिए उपलब्ध रहते थे और हरसंभव मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे। उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद राणा ने अपनी कार्य संस्कृति और तत्परता से काम करने के माध्यम से हमारे सहयोगियों को प्रभावित किया। अशोक खजूरिया ने पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता से जम्मू और यहां के लोगों के कल्याण के लिए काम करने और पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के देवेंद्र सिंह राणा के विचार को आगे बढ़ाने को कहा। सुरजीत सिंह सलाथिया ने कहा कि देवेंद्र सिंह राणा राजनीतिक के साथ–साथ व्यापारिक हलकों में भी लोकप्रिय थे। उन्होंने लोगों की हरसंभव मदद की और उनके जाने को पार्टी, क्षेत्र और खासकर उनके परिवार के साथ–साथ दोस्तों के लिए एक बड़ी क्षति बताया। शाम लाल शर्मा ने देवेन्द्र सिंह राणा के साथ 40 वर्षों से अधिक समय के अपने लंबे जुड़ाव के बारे में बोलते हुए कहा कि वह केवल एक राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि एक सामाजिक व्यक्ति थे, जिन्होंने लोगों के विश्वास को उनके क्षेत्र, धर्म या लिंग से परे विकसित किया था।

ऐसे लोग राजनीतिक क्षेत्र में बहुत कम देखने को मिलते हैं और देवेन्द्र सिंह राणा ने जनता के कल्याण के लिए अपनी कड़ी मेहनत और दर्द के दम पर एक राजनेता के रूप में सर्वोच्च पद हासिल किया, शाम ने कहा कि देवेन्द्र सिंह राणा के निधन से उन्हें व्यक्तिगत क्षति हुई है।

श्रद्धांजलि सभा की कार्यवाही का संचालन महासचिव सुनील शर्मा ने किया। उन्होंने देवेन्द्र सिंह राणा को श्रद्धांजलि भी दी और विभिन्न अवसरों पर उनके साथ हुई कुछ यादें भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि ऐसे महान नेता के निधन से एक अपूरणीय क्षति हुई है और राणा का जीवन आने वाले राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रेरित करता रहेगा।

सुनील सेठी ने कहा कि वह एक महान शिक्षक थे। उन्होंने कहा कि राणा जम्मू और डोगरा के बारे में केंद्रित नेता थे।

पूर्व मंत्री सत शर्मा...

जम्मू–कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रहे रविंदर रैना की जगह अध्यक्ष बनाया गया है।

रैना, जिन्होंने मई 2018 में शर्मा की जगह ली थी और साढ़े छह साल तक इस पद पर रहे थे, उन्हें पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया है। वे राजौरी जिले के नौशेरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं जीत पाए थे, क्योंकि उन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार और अब उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने हराया था।

जम्मू में डोगरा परिवार में जन्मे शर्मा चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और 2014 में पहली बार भाजपा के टिकट पर जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से जीते थे और पीडीपी–भाजपा सरकार में 40 दिनों तक कैबिनेट मंत्री भी रहे थे, जो 2018 में भगवा पार्टी द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद गिर गई थी। भाजपा नेता ने कहा, ष्मुझे दूसरी बार यह जिम्मेदारी देने के लिए मैं केंद्रीय नेतृत्व का आभारी हूं। मैं अपने पहले कार्यकाल के दौरान किसी भी कमी को दूर करने की कोशिश करूंगा और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाऊंगा कि पार्टी इतिहास लिख सके।ष उन्होंने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा को ष26 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 29 सीटों (90 में से) का ऐतिहासिक जनादेश मिला, क्योंकि इसने पूरे केंद्र शासित प्रदेश, खासकर घाटी में बड़ी प्रगति की है।ष शर्मा ने कहा, ष्मैं लंबे समय से पार्टी कार्यकर्ता हूं और हम कार्यकर्ताओं और जम्मू–कश्मीर के लोगों के समर्थन से पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की कोशिश करेंगे।ष शर्मा को दिसंबर 2015 में पहली बार जम्मू–कश्मीर भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तीन सप्ताह से भी कम समय हुआ है और भाजपा में नेतृत्व परिवर्तन ऐसे समय में हुआ है जब केंद्र शासित प्रदेश शहरी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों की तैयारी कर रहा है, जो अगले साल की शुरुआत में होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर को दहलाने की साजिश, दो मुठभेड़ में 3 आतंकी ढेर, 4 जवान भी घायल

tEe yík[k fotu C;jk

कश्मीर संभाग में आतंकियों से सुरक्षाकर्मियों की दो जगह मुठभेड़ चल रही है. इसमें तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है, जबकि चार सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं. कश्मीर संभाग के श्रीनगर जिले में तड़के सुबह से ही खानयार में मुठभेड़ चल रही है.

इसमें एक आतंकी को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है.

सूत्रों के अनुसार इस मुठभेड़ में 1–2 मिलिटेंटस छुपे हुए होने की संभावना है. श्रीनगर खानयार एक रिहायशी इलाका है, इस कारण सुरक्षाबलों की कोशिश है कि कोलेट्रल डैमेज को कम किया जाए, जिसके नतीजे में ऑपरेशन में समय लग रहा है.

दूसरी मुठभेड़ दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग जिले के लारनू में देखी गई, जिसमें दो आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि सेना ने की है. इस तरह से कुल तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है.

मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार शाम सेना की एक गाड़ी पर फायरिंग की घटना के बाद बांडीपोरा में बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है.

मुठभेड़ में 4 सुरक्षाकर्मी घायल

वहीं, मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के मागाम में बीती रात दो प्रवासी मजदूरों पर आतंकियों ने हमला कर उनको घायल कर दिया, जिसके नतीजे में हमलावरों की तलाश करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है.

श्रीनगर में सुबह से चल रही मुठभेड़ में 4 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं, जिसमें जम्मू कश्मीर पुलिस स्पेशल ऑपरेशन गुट के 2 और सीआरपीफ के क्विक एक्शन टीम से 2 जवान शामिल हैं. श्रीनगर में करीब 7 घंटे से मुठभेड़ जारी है.

उन्होंने बताया कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने सुबह खानयार में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया. उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया क्योंकि आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलियां चला दीं, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई.

सतीश शर्मा ने युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कामकाज की समीक्षा की

ग्रामीण, सीमावर्ती क्षेत्रों में पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने की मांग

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा ने आज युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कामक. ाज की समीक्षा के लिए एक मैराथन बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में सचिव, युवा सेवाएं एवं खेल, सरमद हफीज, महानिदेशक, युवा सेवाएं एवं खेल रा. जंदर सिंह तारा, विशेष सचिव वाईएस एंड एस, ज्योति देवी सलाथिया, सचिव, जेएंडके खेल परिषद, नुजहत गुल, अतिरिक्त सचिव वाईएस एंड एस, नारायण दत्त और अन्य अधिकारी तथा युवा सेवाएं एवं खेल निदेशालय और जेएंडके खेल परिषद के पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवा मामले एवं खेल विभाग के साथ मंत्री की पहली बैठक का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में एक जीवंत खेल पारिस्थितिकी तंत्र के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में सामूहिक प्रयास

सुनिश्चित करना था, जो समावेशी भागीदारी, प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता, आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे और मजबूत युवा जुड़ाव को बढ़ावा दे।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने आश्वासन दिया कि ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने की हर संभावना का पता लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे युवा अत्यधिक सक्षम हैं और उन्हें नशे की लत जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाने में पथप्रदर्शक के रूप में कार्य करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सही समय है कि केंद्र शासित प्रदेश के स्थापित व्यावसायिक घराने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी क्षेत्र के तहत उच्च श्रेणी के खेल बुनियादी ढांचे और अन्य ऐसी सुविधाओं के निर्माण में मदद करें।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में मौजूदा सरकार उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं और उपकरणों सहित हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि युवा सेवा एवं खेल विभाग को सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अधिकारी और कर्मचारी उसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

इससे पहले बैठक में महानिदेशक वाई.एस.एंड. एस. तथा सचिव जे.एंड.के. खेल परिषद द्वारा दो व्यापक प्रस्तुतियां दी गईं।

पहली प्रस्तुति में, डीजी वाईएसएंडएस ने खेलों में बड़ी संख्या में युवाओं की सामूहिक भागीदारी पर चर्चा की और पिछले 4 वर्षों के दौरान कैपेक्स और जेकेआईएफडीसी परियोजनाओं के तहत जम्मू–कश्मीर में खेल बुनियादी ढांचे के अभूतपूर्व विकास पर प्रकाश डाला। विभाग के सरकारी कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन गांदरबल के बुनियादी ढांचे, कॉलेज परिसर में विकसित खेल बुनियादी ढांचे और कॉलेज द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के बारे में भी विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने 67वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों में जम्मू–कश्मीर के युवाओं की भागीदारी और उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दी।

जम्मू संभाग में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने के लिए आज जम्मू संभाग में श्रद्धांजलि अर्पित करने और अन्य कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिनमें मुख्य रूप से एकता दौड़ जैसे उत्साहपूर्ण कार्यक्रम शामिल थे।

कठुआ मेंरू जिला प्रशासन कठुआ ने मंगलवार सुबह एक उत्साहपूर्ण ष्रन फॉर यूनिटीष् का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पटेल की विरासत का सम्मान करने और राष्ट्रीय एकता के महत्व को मजबूत करने के लिए प्रतिभागियों का एक बड़ा समूह एक साथ आया। रन फॉर यूनिटी को स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने तंगरी पैलेस, शहीदी चौक और मुखर्जी चौक से होते हुए रामलीला ग्राउंड, कठुआ में समापन किया। इस अवसर पर डीडीसी कठुआ के उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह, विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण, विधायक हीरानगर विजय कुमार, डीडीसी मरहीन करण अत्री के अलावा डिप्टी कमिश्नर डॉ. राकेश मिन्हास के नेतृत्व में जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के छात्र और विभिन्न सरकारी विभागों के कर्मचारी भी शामिल हुए। दौड़ शुरू होने से पहले, डॉ. राकेश मिन्हास ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई तथा राष्ट्र के लिए आधारभूत मूल्य के रूप में एकता के महत्व को रेखांकित किया। उधमपुररू जिला प्रशासन उधमपुर ने उपायुक्त सलोनी राय की मुख्य अतिथि के रूप में ष्रन फॉर यूनिटीष् रैली का आयोजन किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आमोद अशोक नागपुरे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मिनी स्टेडियम से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस कार्यक्रम में नागरिक समाज के सदस्यों, विद्यार्थियों और शैक्षणिक संस्थानों के कर्मचारियों के अलावा जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी भाग लिया, जिनमें अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजिंदर सिंह, सहायक आयुक्त राजस्व डॉ. उमेश शान, मुख्य योजना अधिकारी मोहम्मद इकबाल और अन्य जिला अधिकारी शामिल थे।

सभा को संबोधित करते हुए डीसी ने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों से राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को अपनाने का आग्रह किया। एकता और अखंडता के आदर्शों को बढ़ावा देने वाली यह रैली टाउन हॉल, एमएच चौक, देविका जैसे प्रमुख स्थानों से होकर राजकीय पीजी डिग्री कॉलेज उधमपुर में समाप्त हुई। इससे पहले, उपायुक्त ने शपथ ग्रहण समारोह का नेतृत्व किया, जिसमें अधिकारियों, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने एकता और राष्ट्रीय अखंडता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रियासी मेंरू राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में, जिसे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भी जाना जाता है, रियासी में एक उत्साहपूर्ण ष्रन फॉर यूनिटीष् और राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए छात्र, सरकारी अधिकारी और स्थानीय निवासी एक साथ आए। डीसी रियासी विशेष महाजन ने एसएसपी गौरव सिकरवार की मौजूदगी में ष्रन फॉर यूनिटीष् को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में स्कूल और कॉलेज के छात्रों, विभिन्न सरकारी अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए डीसी रियासी ने राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व को रेखांकित किया और भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला– जिन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में भी जाना जाता है।

आयुष निदेशालय जम्मू-कश्मीर ने 9वां आयुर्वेद दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : 9वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयुष निदेशालय जम्मू–कश्मीर ने मंगलवार को सरक. ारी आयुर्वेदिक अस्पताल जम्मू के धन्वंतरि कुंज परिसर में धन्वंतरि यज्ञ का आयोजन किया। जम्मू विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में एक प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान से प्रधानमंत्री के संबोधन का नई दिल्ली से सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश से 600 से अधिक आयुर्वेद पेशेवरों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने धन्वंतरि जयंती पर कई स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों को जनता को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह सही समय है कि आयुर्वेद के शास्त्रीय नैदानिक ग्रंथों को और अधिक प्रमाण–आधारित बनाया जाए ताकि इसे स्वास्थ्य का वैश्विक विज्ञान बनाया जा सके।

जम्मू एवं कश्मीर आयुष निदेशालय द्वारा जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार मुख्य अतिथि थे।

अपने संबोधन में, संभागीय आयुक्त ने आयुर्वेद बिरादरी को धन्वंतरि जयंती पर बधाई दी और देशवासियों के समग्र कल्याण को प्राप्त करने में आयुर्वेद की भूमिका को दोहराया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध और जलवायु परिवर्तन के कारण उभरते स्वास्थ्य खतरों को आयुर्वेद को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में एकीकृत करके कम किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आयुर्वेद एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली नहीं बल्कि भारतीय जीवन शैली है, हमारी सांस्कृतिक विरासत है और इसे संरक्षित और बढ़ावा देना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि शोध आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से हमें आयुर्वेद और डोगरा आयुर्वेदिक ग्रंथों की डोगरा विरासत को भी संरक्षित करना चाहिए और उसका प्रदर्शन करना चाहिए।

सभा को संबोधित करते हुए, आयुष जम्मू–कश्मीर के निदेशक डॉ मोहन सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आयुर्वेद को सभी स्वास्थ्य विज्ञानों की जननी माना जाता है। उन्होंने जनता को यह भी बताया कि वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचारों की थीम के साथ दुनिया भर के 150 से अधिक देशों में 9वां आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ष्आयुर्वेद की ताकत, विशेष रूप से वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने, आयुर्वेद में उद्यमिता के अवसर, उभरती बीमारियों से निपटने के लिए नए चिकित्सीय तौर–तरीकों को बढ़ावा देने की जरूरत है।ष उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को वैश्विक बनाने के लिए आयुर्वेद बिरादरी को अधिक रचनात्मक और नवीन होने की जरूरत है, साथ ही आयुर्वेद को शोध आधारित स्वास्थ्य सेवा विकल्प बनाने के लिए वैज्ञानिक स्वभाव को विक. सित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ष्आयुर्वेद को साक्ष्य आधारित व्यक्तिगत स्वास्थ्य विज्ञान के रूप में बढ़ावा दिया जा सकता है,ष उन्होंने आयुर्वेद की ताकत को बढ़ावा देने और चिकित्सा की मुख्यधारा प्रणाली के रूप में इसकी स्वीकृति में डिजिटल तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आयुष जम्मू–कश्मीर निदेशालय की विभिन्न उपलब्धियों के लिए आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ की भी सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के चिकित्सा अधिकारियों के साथ डॉ. सुरेश कुमार शर्मा, उप निदेशक आयुष जम्मू, डॉ. राकेश कुमार रैना, सहायक निदेशक आयुर्वेद, डॉ. वंदना डोगरा चिकित्सा अधीक्षक सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल, डॉ. अरुणा भट्ट उप चिकित्सा अधीक्षक जीएएच, डॉ. बीआर डब, अधिकृत अधिकारी होम्योपैथिक बोर्ड भी उपस्थित थे।

जीएमसी श्रीनगर ने एमबीबीएस चरण 3 भाग -। के छात्रों के लिए 11 दिवसीय शैक्षिक दौरे का आयोजन किया

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) श्रीनगर के प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. इफ्फत हसन ने भारत भर में 11 दिवसीय शैक्षिक दौरे के लिए एमबीबीएस चरण 3 भाग 1 के 92 छात्रों के दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रशासक एसोसिएटेड हॉस्पिटल्स, मोहम्मद अशरफ हकाक; प्रो. डॉ. मोहम्मद सलीम इट्टू, उप रजिस्ट्रार अकादमिक; डॉ. राजन दीप सिंह और डॉ. अर्शिद केमा, एसोसिएट प्रोफेसर, सर्जरी विभाग; इस अवसर पर संपदा अधिकारी जावीद अहमद शाह और जीएमसी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उनके स्थानीय परिवेश से बाहर विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों, सुविधाआ. ं और विशेषज्ञों से व्यावहारिक अनुभव और संपर्क प्रदान करना है।

11 दिवसीय दौरे के दौरान छात्र नई दिल्ली, आगरा, मुंबई और गोवा के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का दौरा करेंगे। वे इन स्थानों पर विभिन्न स्वास्थ्य विशेषज्ञों से भी बातचीत करेंगे।

इस दौरे का उद्देश्य चिकित्सा पद्धतियों और प्रगति के बारे में छात्रों की समझ को व्यापक बनाना, प्रसिद्ध चिकित्सा पेशेवरों और संस्थानों के साथ बातचीत को बढ़ावा देना, छात्रों के नैदानिक कौशल और ज्ञान को बढ़ाना और चिकित्सा पेशेवरों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

इस दौरे का उद्देश्य प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों और अस्पतालों का दौरा करना, विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं के विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित करना, अत्याधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान से परिचित होना तथा सांस्कृतिक आदान–प्रदान और समझ के अवसर प्रदान करना था।

प्रो. डॉ. इफ़त हसन ने अनुभवात्मक शिक्षा और विविध चिकित्सा वातावरण के संपर्क के महत्व पर जोर दिया। ष्यह दौरा हमारे छात्रों के शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करेगा, उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगा और उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा

यह शैक्षिक दौरा जीएमसी श्रीनगर के विद्यार्थियों को व्यापक प्रशिक्षण, व्यावहारिक अनुभव और विकास के अवसर प्रदान करने के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

डीसी ने एनएचडब्ल्यू-244 और मरमट रोड पर कार्य की प्रगति की समीक्षा की

tEe yík[k fotu C;jk

डोडा : उपायुक्त हरविंदर सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें एनएच–244 और मरमत के लिए संपर्क सड़क पर काम की गति की समीक्षा की गई।

सत्र में मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें कैमरे और लाइटें लगाना, रणनीतिक क्षेत्रों में ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) और विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) की तैनाती और एनएच–244 पर समग्र सुरक्षा बुनियादी ढांचे का आकलन करना शामिल था। डीसी कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में एसएसपी मोहम्मद असलम, एडीसी सुदर्शन कुमार, जीएम एनएचआईडीसीएल, एएलसी नेहल पंडित और एनएचआईडीसीएल के अन्य अधिकारी शामिल हुए। एसएसपी और डिप्टी एसपी ट्रैफिक समेत यातायात अधिकारी वर्चुअल रूप से चर्चा में शामिल हुए। डिप्टी कमिश्नर ने राजमार्ग के महत्वपूर्ण हिस्सों पर क्रैश बैरियर, स्पीड ब्रेकर और रंबल स्ट्रिप जैसी सुरक्षा स्थापनाओं की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने एनएचआईडीसीएल को एनएच–244 पर सुरंग के पास दो संतरी चौकियाँ स्थापित करने और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए सड़क की स्थिति की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी सिंह ने आपात स्थितियों के लिए तैयार रहने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) कर्मियों और आपदा मित्र स्वयंसेवकों को तैनात करने के महत्व पर भी जोर दिया। यातायात अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे स्पीड ब्रेकर के पास स्वयंसेवकों को तैनात करें ताकि तेज गति से चलने वाले वाहनों की निगरानी और प्रबंधन किया जा सके, जिससे निवासियों और यात्रियों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा में, डीसी डोडा ने एनएचआईडीसीएल को राजमार्ग गति. विधियों पर नज़र रखने के लिए लाइव कैमरा फीड की निगरानी करके नियमित निगरानी प्रदान करने का निर्देश दिया। सभी कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से शिविरों में प्रकाश व्यवस्था में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। डीसी सिंह ने एनएचआईडीसीएल को सभी कर्मचारियों के लिए बीमा की सुविधा के लिए सहायक श्रम आयुक्त (एएलसी) के साथ समन्वय करने का भी निर्देश दिया, जिससे श्रमिक कल्याण और सुरक्षा के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

एसएसपी ट्रैफिक ने सड़क सुरक्षा के बारे में चिंता जताई और एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों से क्रैश बैरियर की ऊंचाई बढ़ाने और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सौर ऊर्जा से चलने वाली लाल बत्ती लगाने का आग्रह किया। डीसी डोडा ने एनएचआईडीसीएल को एनएच–244 और मरमत लिंक रोड पर काम में तेजी लाने का निर्देश दिया और सड़क सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

जम्मू-कश्मीर में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत

tEe yík[k fotu C;jk

बनिहाल/जम्मू : जम्मू –कश्मीर के रामबन और रियासी जिलों में बुधवार को दो अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि पंजाब के पंजीकरण नंबर वाली एक कैब सुबह करीब सात बजे रामबन जिले में जम्मू–श्रीनगर के बीच मगरकूट के पास एक गहरी खाई में गिर गई, जिससे चालक और एक महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि चार अन्य यात्री – नेहा (35), अमन (36), मनीषा (40) और मेघना (35), सभी महाराष्ट्र के निवासी – दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए और पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों के बचाव दल ने उन्हें बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि समूह जाहिर तौर पर छुट्टियों में कश्मीर घूमने गया था। अधिकारियों ने कहा कि एक अन्य दुर्घटना में दो गैर स्थानीय मजदूरों की मौत हो गई, जब रियासी जिले के चसाना इलाके के गुलाबपुरा में सुबह करीब 4.30 बजे एक डंपर खाई में गिर गया। उन्होंने कहा कि डंपर बाकोरी से सुंगरी की ओर आ रहा था और इसमें सवार दोनों पंजाब के सुरिंदर सिंह (42) और बिहार के मुन्ना कुमार (26) की मौके पर ही मौत हो गई।

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के अखनूर में मुठभेड़ में मारे गए लड़ाकू कुत्ते फैंटम को श्रद्धांजलि दी

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : भारतीय सेना ने यहां अखनूर सेक्टर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए अपने खोजी कुत्ते फैंटम के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और उसकी बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि दी।

कि चार वर्षीय बेल्जियन मेलिनोइस कुत्ता, जो सोमवार को जम्मू–कश्मीर के अखनूर सेक्टर में एक जवाबी अभियान के दौरान मारा गया था, ने आतंकवादियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

यह सोमवार को एक आतंकवादी हमले से सैनिकों की रक्षा करने के प्रयास में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया था।

तिरंगे में लिपटे और उस पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सेना के जवानों ने बुधवार को उधमपुर में श्वान योद्धा को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर पोस्ट किया, "28 अक्टूबर को अखनूर में बट्टल के घने जंगलों में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सेना के कुत्ते फैंटम को सम्मानित करने के लिए आज उधमपुर में एक भव्य पुष्पांजलि समारोह

आयोजित

रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने कहा, ष्उनके बलिदान को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

मई 2020 में जन्मे इस कुत्ते को अगस्त 2022 में इस क्षेत्र में तैनात किया गया था और वह कई उच्च–दांव मिशनों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

उन्हें भारतीय सेना के रिमाउंट वेटनरी कॉर्प्स (आरवीसी) केंद्र में प्रशिक्षित किया गया था।

सोमवार सुबह से अखनूर सेक्टर के बट्टल बेल्ट में दो दिनों तक चली मुठभेड़ में तीन भारी हथियारों से लैस आतंकवादी मारे गए।

डीसी रियासी ने राजस्व विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा की

दोषरहित डिजिटलीकरण, कुशल सेवा वितरण का आह्वान

tEe yík[k fotu C;jk

रियासी : उपायुक्त रियासी विशेष महाजन ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की।

विभाग के कामकाज की व्यापक समीक्षा के बाद, उन्होंने डिजिटलीकरण के सत्यापन, गुणवत्ता जांच और जमाबंदियों को समय पर पूरा करने से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

इसका फोकस कैडस्ट्रल मानचित्रों की जियो–रेफरेंसिंग, स्वामित्व, पीएम किसान म्यूटेशन और पीएसजीए के तहत ऑनलाइन सेवा वितरण पर बढ़ाया गया।

डीसी ने 100: त्रुटिरहित डिजिटल जमाबंदियों के महत्व पर बल दिया तथा अधिकारियों से विभिन्न स्तरों की प्रक्रियाओं के लिए निर्धारित समयसीमा को पूरा करने का आग्रह किया।

अदालती मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए डीसी विशेष महाजन ने विभाग को निर्देश दिए कि वे आरसीसीएमएस पोर्टल पर समय पर अपलोड करने को प्राथमिकता दें।

नियमों के पालन पर जोर देते हुए डीसी ने अधिकारियों से पीएसजीए नियमों के अनुसार शिकायतों का निपटारा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। रेलवे कलेक्टरों को 3 दिनों में सभी लंबित मामलों का ब्योरा देने को कहा गया।

बैठक का उद्देश्य राजस्व विभाग में समग्र दक्षता और सेवा वितरण को बढ़ाना, जवाबदेही और समय पर निष्पादन की संस्कृति को बढ़ावा देना था। एडीसी कुलभूषण खजूरिया, एसीआर अंशुमाली शर्मा, एसडीएम पीयूष धोत्रा, एसडीएम तारिक अजीज, एसडीएम मजाहिर हुसैन और सभी तहसीलदार मौजूद रहे।

कश्मीरी भाई-बहनों ने रूबिक्स क्यूब्स से बनाया उमर अब्दुल्ला का चित्र

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : कश्मीर के तीन भाई–बहन रूबिक क्यूब से बनाए गए जम्मू –कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के चित्र के साथ सोशल मीडिया पर हलचल मचा रहे हैं। उमर, जिन्होंने विभिन्न सोशल मीडिया साइटों पर काम का एक वीडियो फिर से पोस्ट किया, मोज़ेक की खुद से समानता देखकर आश्चर्यचकित थे।

"यह आश्चर्यजनक है। मैंने पहले कभी अपनी इतनी चतुराई से समानता नहीं बनाई। इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अल्लाह आप दोनों को जीवन भर खुशियाँ, अच्छा स्वास्थ्य और सफलता प्रदान करे," मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा। भाई–बहनों के पिता मोहम्मद यूनिस बेग ने कहा कि उनके बच्चे – दो लड़के और एक लड़की – रूबिक क्यूब में तब रुचि रखने लगे जब उन्होंने 2021 में वर्ल्ड क्यूब एसोसिएशन को कश्मीर लाया।

"क्यूबिंग गेम के कुछ शीर्ष नाम, जिनमें आर्यन छाबड़ा भी शामिल हैं, जो 10 सेकंड से भी कम समय में रूबिक क्यूब को हल करते हैं, यहां मौजूद थे। इसने मेरे दोनों बेटों को क्यूबिंग अपनाने के लिए प्रेरित किया," बेग, जिन्होंने मूल रूप से सोशल मीडिया पर काम पोस्ट किया था, ने कहा।

एसीबी-कठुआ प्रशासन ने अवैध खनन से निपटने पर चर्चा की

tEe yík[k fotu C;jk

कठुआ : सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के हिस्से के रूप में, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और जिला प्रशासन कठुआ ने बुधवार को खनन क्षेत्र में नैतिक प्रथाओं को उजागर करने के लिए ष्अवैध खननष विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

दिन भर चले इस कार्यक्रम में खनन पट्टाधारकों, क्रशर मालिकों, शिकायतकर्ताओं और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों सहित अनेक हितधारकों ने भाग लिया, जिससे खनन कार्यों में पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रति एकीकृत प्रतिबद्धता पर बल मिला।

मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास ने खनन उद्योग में नैतिक प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. मिन्हास ने खनन हितधारकों और सरकारी अधिकारियों से खनन के हर चरण में ईमानदारी बनाए रखने का आह्वान किया – नैतिक उत्खनन विधियों से लेकर पारदर्शी परिवहन और खनिजों की जिम्मेदारी से बिक्री तक।

उन्होंने खनन प्रक्रिया के दौरान जवाबदेही और पता लगाने की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए खनन ब्लॉकों की जियो–फेंसिंग और परिवहन वाहनों की जीपीएस ट्रैकिंग जैसे उन्नत उपायों की वकालत की।

डॉ. मिन्हास ने कहा, ष्खनन कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना न केवल एक विनियामक आवश्यकता है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है।

जियो–फ़ेंसिंग और जीपीएस ट्रैकिंग जैसी तकनीकों को अपनाकर, हम अवैध खनन प्रथाओं पर अंकुश लगा सकते हैं, अपने संसाधनों की सुरक्षा कर सकते हैं और एक टिकाऊ पर्यावरण में योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम के शैक्षणिक खंड का नेतृत्व जम्मू–कश्मीर के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एक टीम ने किया। डिप्टी एसपी सनी गुप्ता की अगुआई में, टीम में अभियोजन अधिकारी इरशाद अहमद शेख, इंस्पेक्टर सुधीर सदोत्रा और इंस्पेक्टर बिंदेश्वर मन्हास शामिल थे।

एसीबी की टीम ने उपस्थित लोगों को खनन के कानूनी पहलुओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी और खनन गतिविधियों में भ्रष्टाचार की पहचान करने और उसे दूर करने में हितधारकों और आम जनता दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

एसीबी टीम ने अवैध खनन प्रथाओं से निपटने के लिए विशिष्ट लाल झंडों और कार्रवाई योग्य उपायों पर चर्चा की।

उन्होंने समुदाय के सदस्यों से संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करने का भी आग्रह किया, जिससे सामूहिक सतर्कता को बढ़ावा मिले जो अनैतिक प्रथाओं को रोकने के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि सभी हितधारक एक जागरूक समुदाय विकसित करने के लिए काम करेंगे जो भ्रष्टाचार के खिलाफ सतर्कता का सक्रिय रूप से समर्थन करेगा, विशेष रूप से पर्यावरण और आर्थिक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में।

इस अवसर पर एडीसी कठुआ, एएसपी कठुआ भी उपस्थित थे।

अमेरिका में फिर फायरिंग, हैलोवीन पार्टी के दौरान गोलीबारी में तीन लोगों की मौत

अमेरिकी पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है लेकिन इस घटना से जनता के लिए कोई खतरा नहीं है. उन्होंने जनता से ऐसी कोई भी जानकारी प्रदान करने का आग्रह किया जो जांच में मदद कर सके.

अमेरिका के कोलोराडो प्रांत के डेनवर के उत्तर में स्थित नॉर्थग्लेन शहर में हैलोवीन के अवसर पर एक घर में चल रही पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए.

नॉर्थग्लेन पुलिस विभाग ने बताया कि अधिकारी आधी रात के बाद एक घर में आयोजित पार्टी में पहुंचे तो वहां एक व्यक्ति मृत मिला जबकि पांच अन्य गोली लगने से घायल थे.

उसने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां दो लोगों की मौत हो गई.

पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है लेकिन इस घटना से जनता के लिए कोई खतरा नहीं है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

उन्होंने जनता से ऐसी कोई भी जानकारी प्रदान करने का आग्रह किया जो जांच में मदद कर सके.

अमेरिकी में गोलीबारी

दरअसल अमेरिकी में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. अब अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबा. मा में गोलीबारी की घटना सामने आई है. इस हादसे में कम से कम चार लोग मारे गए जबकि दर्जनों घायल हो गए हैं. पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है

पुलिस अधिकारी ट्रूमैन फिट्जगेराल्ड ने मीडिया को बताया कि हमारा मानना घ्छै कि बर्मिंघम के फाइव पॉइंट साउथ जिले में रात 11 बजे के बाद ये घटना घटी है. वहीं शुरुआती रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के मुताबिक, क्लब के संरक्षक मैगनोलिया एवेन्यू पर हुक्का और सिगार लाउंज के बाहर लाइन में खड़े थे तभी गोलीबारी हो गई.

अन्य लोगों को आई गंभीर चोटें

फिट्जगेराल्ड ने आगे घटना की जानकारी देते हुए कहा कि गोलीबारी में दर्जनों लोग घायल हो गए और कम से कम चार लोगों की मौत हो गई.

उन्होंने कहा कि अन्य लोगों को गंभीर चोटें आई हैं. फिट्जमैन ने ये भी कहा कि पुलिस ने गोलीबारी के मामले में किसी को भी हिरासत में नहीं लिया है.

हिंसा में 12 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

बर्मिंघम पुलिस विभाग ने एक्स को एक पोस्ट में लिखा कि गोलीबारी शहर के फाइव पॉइंट्स साउथ इलाके में हुई. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल संयुक्त राज्य भर में कम से कम 403 सामूहिक गोलीबारी हुई हैं. मिली जानकारी के अनुसार इस साल अमेरिकी हिंसा में कम से कम 12,416 लोग मारे गए हैं.

स्पेन में बाढ़ का पिछले 50 साल का रिकॉर्ड टूटा, इतनी बारिश होने की वजह क्या है?

डूबी हुई सड़के, मलबे और कीचड़ से भरे शहर, तैरती हुई गाड़ियां३ऐसी बदतर हालात फिलहाल यूरोपीय देश स्पेन की हो चुकी है. अचानक आई भीषण बाढ़ अब तक 205 लोगों की जान ले चुकी है. न जाने कितनी संख्या में लोग लापता है जिनकी तालाश की जा रही है. बाढ़ का सबसे ज्यादा असर पूर्वी स्पेन के वैलेंशिया शहर पर पड़ा है. यहां महज आठ घंटे में 12 इंच बारिश हुई है. इतनी बारिश सालभर में होती है.

वैलेंसिया भूमध्य सागर के तट पर स्थित है. यहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं. अब तक इस शहर में बाढ़ की वजह से 200 लोगों की मौत हो चुकी है. स्पेन में आखिरी बार इतनी भीषण बारिश 1973 में दर्ज की गई थी. यानि इस बार के बारिश ने 50 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. तब करीब 150 लोगों की मौत हो चुकी थी. वहीं वैलेंशिया में इतनी भीषण बाढ़ साल 1957 में हुई थी जब 81 लोगों की जान चली गई थी.

इतनी बारिश क्यों हुई?

मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो बाढ़ की वजह ठंडी और गर्म हवाओं का मेल है. इन दोनों के मेल से घने बादल बने जिससे भारी बारिश हुई. इस घटना को स्पैनिश में क।छ। बोलते हैं. हाल के दिनों में दुनिया के जितने भी देशों में बारिश और तबाही की घटनाएं हुईं हैं उसकी वजह यही है.

वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूमध्य सागर का ज्यादा गर्म होना भी भारी बारिश की वजह बना. इसलिए अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर के बीच स्थित होने की वजह से पूर्वी और दक्षिणी स्पेन इस तरह की घटनाओं के लिए काफी संवे. दनशील हैं. गर्म, नमी से भरी और ठंडी हवाओं का मेल तूफानी बादलों और तेज बारिश के लिए जिम्मेदार होते हैं.

इस साल अगस्त में भूमध्य सागर का तापमान 28.47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अब तक का सबसे ज्यादा तापमान था. वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन इनिशिएटिव के वैज्ञानिकों ने इसके पीछे जलवायु परिवर्तन को भी जिम्मेदार ठहराया है. उनके मुताबिक फॉसिल फ्यूल प्रदूषण से होने वाले ग्लोबल वार्मिंग ने स्पेन में होने वाली मूसलाधार बारिश को लगभग दोगुना कर दिया है.

चेतवानी जारी करने में देरी से बदतर हालात

स्पने में हालात बिगड़े की एक वजह प्रशासन की लाप. रवाही भी बताई जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक कई लोगों ने चेतावनी जारी करने के समय पर सवाल उठाया. ये

स्पेन में अचानक आई भयानक बाढ़ से अब तक 150 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो गई है. इस बाढ़ ने स्पेन में 50 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. सबसे ज्यादा बदतर हालात वैलेंसिया शहर का हुआ है. वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन इस मूसलाधार बारिश की बड़ी वजहों में से एक है.

स्पेन के मौसम विभाग की ओर से जारी किए गए रेड अलर्ट के 12 घंटे के बाद आई. लोगों का कहना है कि कहीं शरण लेने के बारे मं सोचने के लिए तब तक काफी देर हो चुकी थी. वो ऊंची जगहों पर नहीं जा सकते थे और न सड़कों से हट सकते थे. पेको वेलेंसिया से नजदीकी शहर पिकासेंट की ओर अपनी गाड़ी में जा रहे थे. लेकिन अचानक आई बाढ़ में घर गिए. बाढ़ के पानी ने सड़कों को डुबो दिया था.

राहत बचाव कार्य का क्या हाल है?

स्पेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वेलेंसिया क्षेत्र में पांच सौ स्पेनिश सैनिक ऑपरेशन में शामिल हो गए हैं. जिससे देश भर में तैनात कुल सैनिकों की संख्या 1,700 हो गई है.

अमेरिका के इस कदम से और भड़केगी रूस-यूक्रेन जंग, बाइडेन ने किया बड़ा ऐलान

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिका ने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देने का ऐलान किया है. इसमें 425 मिलियन अमरीकी डालर की सहायता देने का वादा किया गया. इस पैकेज में एयर डिफेंस सिस्टम, रॉकेट सिस्टम और तोपखाने के लिए गोला–बारूद, बख्तरबंद वाहन और टैंक रोधी हथियार शामिल हैं.

पेंटागन ने एक बयान में कहा कि रक्षा विभाग ने यूक्रेन की महत्वपूर्ण सुरक्षा और रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त सहायता का ऐलान किया. यह ऐलान अगस्त 2021 से यूक्रेन के लिए क्वक सूची से प्रदान किए जाने वाले उपकरणों की बाइडेन प्रशासन की 69वीं किश्त है.

425 मिलियन डॉलर की मदद

इसमें कहा गया है कि यह राष्ट्रपति ड्रॉडाउन अथॉरिटी पैकेज, जिसका अनुमानित मूल्य 425 मिलियन डॉलर है. यूक्रेन को अपनी सबसे जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्षमताएं प्रदान करेगा, जिसमें एयर डिफेंस इंटरसेप्टर, रॉकेट सिस्टम और तोपखाने के लिए गोला–बारूद, बख्तरबंद वाहन और टैंक रोधी हथियार शामिल हैं.

अमेरिका ने किया बड़ा ऐलान

अमेरिका की घोषणा में नेशनल एडवांस सरफेस–टू–एयर मिसाइल सिस्टम के लिए गोला–बारूद, स्टिंगर मिसाइलें, काउंटर–अनमैन्ड एरियल सिस्टम उपकरण, हवा से जमीन पर मार करने वाले गोला–बारूद, हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम के लिए गोला–बारूद, 155 मिमी और 105 मिमी आर्टिलरी गोला–बारूद, ट्यूब–लॉन्च, ऑप्टिकली ट्रैक्ड, वायर–गाइडेड मिसाइलें, जेव. लिन और एटी–4एंटी–आर्मर सिस्टम, स्ट्राइकर बख्तरबंद कार्मिक वाहक, छोटे हथियार और गोला–बारूद, मेडिकल उपकरण, विध्वंस उपकरण और गोला–बारूद, और स्पेयर पाट्र्स, सहायक उपकरण, सेवाएं, प्रशिक्षण और परिवहन शामिल हैं.

रक्षा पैकेज का किया ऐलान

विशेष रूप से अमेरिका द्वारा रक्षा पैकेज की घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा गुरुवार को खुलासा किए जाने के बाद हुई है. एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्लिंकन ने कहा था कि अब हमारा आकलन है कि रूस में कुल मिलाकर करीब 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिक हैं.

अमेरिका ने रक्षा पैकेज की घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के गुरुवार को खुलासा किए जाने के बाद किया है. एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्लिंकन ने कहा था कि अब हमारा आकलन है कि रूस में कुल मिलाकर करीब 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिक हैं.

हाल की जानकारी से पता चलता है कि कुर्स्क क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सैनिकों में से 8,000 को तैनात किया गया है. हमने अभी तक इन सैनिकों को यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ़ लड़ाई में तैनात नहीं देखा है, लेकिन हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में ऐसा होगा.

पैदल सेना के संचालन का प्रशिक्षण

उन्होंने आगे कहा कि रूस डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के सैनिकों को तोपखाने, यूएवी और बुनियादी पैदल सेना के संचालन का प्रशिक्षण दे रहा है, जो दर्शाता है कि वे इन बलों का उपयोग फ्रंट–लाइन ऑपरेशन में करने का पूरा इरादा रखते हैं. अगर ये सैनिक यूक्रेन के खिलाफ युद्ध या युद्ध–समर्थन अभियानों में शामिल होते हैं, तो वे वैध सैन्य बन जाएंगे.

डोनाल्ड ट्रंप जीते या कमला हैरिस... जानिए क्यों 5 नवंबर को ये पता चल पाना मुश्किल है?

महज चार दिन बाद 5 नवंबर है – अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का दिन. इस दिन अंतिम वोटिंग होगी और लोग कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप में से किसी एक को अपना राष्ट्रपति चुन लेंगे. लेकिन नतीजे आने में पिछले साल की ही तरह काफी देरी हो सकती है, जानिए क्यों.

दुनिया में चुनाव पूरे साल कहीं न कहीं चलता ही रहता है. लोग उनपर ध्यान भी नहीं देते. मगर 4 बरस के अंतराल पर होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर समूची दुनिया आंख टिकाए रहती है. इस दफा 5 नवंबर वह तारीख है जब अमरीकी अवाम डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच पलड़ा किस तरफ झुका है, इसका फैसला कर देगी.

कई लोगों को लगता है कि नतीजे उसी दिन आ जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं है. अमेरिका का राष्ट्रपति तय होने में वोट पड़ जाने के बाद भी कुछ दिन लग सकते हैं. चूंकि, अमेरिकी चुनाव बैलेट पेपर से होते हैं, हो सकता है कि एक उम्मीदवार शुरुआत में बढ़त हासिल करता दिखे लेकिन वोटों की गिनती आगे बढ़ने के साथ चीजें उलट भी सकती हैं.

आप कहेंगे, ये कौन सी नई बात है. काउंटिंग में तो ऐसा उलटफेर होता ही रहता है. लेकिन नहीं. अमेरिका का हाल थोड़ा अनोखा है.

2020 के राष्ट्रपति चुनाव की बात है, कुछ राज्य जो वोटिंग वाली रात को गिनती में सीधे तौर पर ट्रंप को बढ़त दे रहे थे, वह अगले कुछ घंटों में बाइडेन के पलड़े में झुक गए. ट्रंप ने बाद में इसे चुनावी धांधली तक कहा लेकिन आरोप सही नहीं साबित हुआ.

नतीजे आने में क्यों होती है देरी?

पहला दृ डेमोक्रेट (कमला हैरिस की पार्टी) समर्थक ज्यादातर घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में रहते हैं. जहां वोटों की गिनती में समय लगता है.

दूसरा दृ अमेरिका में वोटिंग के दिन से पहले मेल के जरिये डाले गए वोट की गिनती में समय लगता है. ट्रंप इस तरह वोटिंग कराए जाने के हिमायती नहीं हैं.

तीसरा दृ अमेरिका में वैसे तो 50 राज्य हैं. लेकिन 7 ऐसे हैं जहां के नतीजों के बारे में अदांजा लगाना लगभग नामुमकिन होता है कि यहां कौन जीत रहा है. चूंकि इन राज्यों में वोट पड़ने से लेकर, उसकी गिनती के तरीके भी अलग–अलग हैं, अंतिम नतीजे आने में समय लगता है.

कौन हैं ये राज्य. क्या है इनका लेखा–जोखा. एक नजर.

पहला दृ एरिजोना दृ अमेरिकी राज्य एरिजोना में मेल के जरिये वोटिंग काफी मशहूर है. 2020 के चुनाव में 90 फीसदी लोगों ने चुनाव वाले दिन से पहले ही वोट डाल दिया था. इनमें भी ज्यादातर ने मेल का सहारा लिया था. कई बार वोटिंग वाले दिन भी बड़ी संख्या में मेल वोट पड़ते हैं. इस कारण गिनती में समय लगता है.

इजराइल की उम्मीदों को हमास ने फिर दिया झटका, युद्ध विराम समझौता किया खारिज

अमेरिका चुनाव से पहले गाजा संघर्ष विराम और बंधक डील को लेकर वार्ता एक बार फिर तेज हो गई है. हमास-इजराइल के सामने अमे. रिका और मध्यस्थों ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें गाजा में कुछ दिना. ं के संघर्ष विराम के साथ बंधकों की रिहाई शामिल है. खबरों के मुताबिक इजराइल ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाया वहीं हमास की और से इसमें विश्वास की कमी के संकेत मिले हैं.

हमास अधिकारी समी अबू जुहरी ने कतरी न्यूज चौनल 'अल जजीरा' से कहा कि प्रस्ताव में प्रस्तुत युद्ध विराम प्रस्ताव उनकी मांगों को पूरा नहीं करता है. उन्होंने कहा कि हमास गाजा में इजराइली बंदियों की रिहाई के बदले में अस्थायी युद्ध विराम स्वीकार नहीं करेगा क्योंकि इसके बाद इजराइल अपनी बमबारी फिर से शुरू कर देगा.

कतर में हुई युद्ध विराम पर वार्ता

इस हफ्ते इजराइल के मोसाद प्रमुख और ब्। डायरेक्टर ने कतर की राजधानी में हुई युद्ध विराम वार्ता में हिस्सा लिया था. अगस्त में युद्ध विराम प्रयासों के विफल होने के बाद यह पहली हाई लेवल मीटिंग थी.

गाजा में हमास के पास लगभग 100 इजराइली बंधक हैं, बंदियों के परिवार लगातार अपने रिश्तेदारों की रिहाई के लिए इजराइली सरकार पर युद्ध विराम का दबाव डाल रहे है. इसको लेकर इजराइल के बड़े शहरों में आए दिन प्रदर्शन किए जा रहे हैं. लेकिन इजराइल ने अभी तक स्थायी युद्ध विराम के लिए हामी नहीं भरी है.

हमास को नहीं विश्वास

नए संघर्ष विराम समझौते में ये सार्वजनिक नहीं हुआ है कि ये संघर्ष विराम कितने दिन के लिए किया जाएगा. पिछले महीने मिस्र के राष्ट्रपति सीसी ने 4 दिनों के युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा था, जिसमें 4 बंधकों की रिहाई शामिल थी. उस समय उन्होंने कहा था कि इस युद्ध विराम के जरिए स्थायी युद्ध विराम की रूपरेखा रखी जाएगी.

हमास किसी भी अस्थाई समझौते पर साइन करने के लिए राजी नहीं, क्योंकि उसको लगता है कि इजराइल बंधकों की रिहाई के बाद और अमे. रिका में चुनाव के बाद फिर हमले शुरू कर देगा.

अस्तित्व पर खतरा आया तो ईरान ने अपने इस प्लान से दुनिया को डराया!

ईरान के शीर्ष विदेशी नीति सलाहकार ने कहा कि हमारे पास पहले से ही हथियार बनाने की तकनीकी क्षमता है, धार्मिक आदेश ही हमें ऐसा करने से रोक रहा है. इजराइल के हमले के बाद पहली बार किसी ईरान अधिकारी ने परमाणु बम को लेकर सार्वजनिक टिप्पणी की है.

ईरान के शीर्ष विदेशी नीति सलाहकार ने अपने बयान से पूरी दुनिया को चौंका दिया है. इजराइल के ईरान पर हमले के बाद सबको डर पहले से था कि ईरान कुछ बढ़ा कर सकता है, अब ये डर और बढ़ गया है. विदेशी नीति सलाहकार डॉ. कमाल खर्राजी ने कहा है कि ईरान परमाणु बम बनाने में सक्षम है. जो इसके बीच में बाधा बन रहा है, वह ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामनेई का 2010 में दिया गया फतवा है.

दरअसल, सुप्रीम लीडर ने फतवा दिया है कि ईरान ऐसा हथियार नहीं बनाएगा जो मानव समाज के लिए विनाशकारी हो. पूर्व विदेश मंत्री कमाल खर्राजी ने लेबनान के चौनल अल-मायदीन को दिए इंटरव्यू में कहा, "यदि इस्लामी गणतंत्र ईरान के सामने अस्तित्व का खतरा उत्पन्न हो जाता है, तो हमारे पास अपने सैन्य सिद्धांत को बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा.

ईरान के पास परमाणु क्षमता

खर्राजी ने कहा कि हमारे पास पहले से ही हथियार बनाने की तकनीकी क्षमता है, धार्मिक आदेश ही हमें ऐसा करने से रोक रहा है. खर्राजी विदेश संबंधों पर रणनीतिक परिषद के प्रमुख हैं और उन्होंने पहले भी संकेत दिए हैं कि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने के अपने घोषित विरोध को छोड़ सकता है, लेकिन 26 अक्टूबर को ईरान पर इजराइली हवाई हमलों के बाद से यह उनकी पहली सार्वजनिक टिप्पणी है.

खर्राजी का बयान क्यों है अहम

खर्राजी जिस बॉडी का नेतृत्व करते हैं, उसके सदस्यों को खुद सुप्रीम लीडर खामनेई चुनते हैं. ये सदस्यें सीधे सुप्रीम लीडर को रिपोर्ट करते हैं. इसकी रिपोर्ट और बयानों से अक्सर देश में होने वाले नीतिगत बदलावों का पूर्वानुमान लगाया जाता है.

2010 में जारी हुआ था फतवा

2010 में ईरान के सुप्रीम लीडर की ओर से एक फतवा जारी किया गया था कि ईरान परमाणु बमों सहित सामूहिक विनाश के सभी हथियार नहीं बनाएगा.

जिसके बाद ऐसे हथियारों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, हालांकि पिछले कुछ सालों में ईरान ने अपने मिसाइल प्रोग्राम को मजबूत किया है. अब ईरानी अधिकारी साफ संदेश दे रहे हैं कि अस्तित्व पर खतरा आने पर वह सुप्रीम लीडर के फतवे को छोड़ सकते हैं.

बढ़ती महंगाई से नाइजीरिया में बिगड़े हालात, 29 नाबालिग गिरफ्तार, 20 को मारी गोली

नाइजीरिया में महंगाई इतनी बढ़ गई है कि लोग सड़कों पर आ गए हैं. शुक्रवार को हुए महंगाई विरोधी प्रदर्शनों में 29 नाबालिगों को आरोपी बनाया गया है और दोषी पाए जाने पर उन्हें मौत की सजा दी जा सकती है.

किशोरों को जब अदालत में लाया गया तो उनकी हालता ऐसी थी कि उनमें से चार किशोर अपनी दलील रखने से पहले बेहोश होकर गिर गए. न्यूज एजेंसी एसोसिएट प्रेस की ओर से आरोप पत्र के मुता. बिक नाइजीरिया में बेतहाशा बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन हुए, जिन्होंने हिंसक रूप ले लिया.

नाइजीरियाई सरकार ने कुल 76 प्रदर्शनकारियों पर 10 संगीन आरोप लगाए गए, जिनमें राजद्रोह, प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाना, उपद्रव मचाना और विद्रोह करना शामिल हैं. आरोप पत्र के मुता. बिक नाबालिगों की उम्र 14 से 17 साल के बीच बताई गई है.

लगातार हो रहे प्रदर्शन

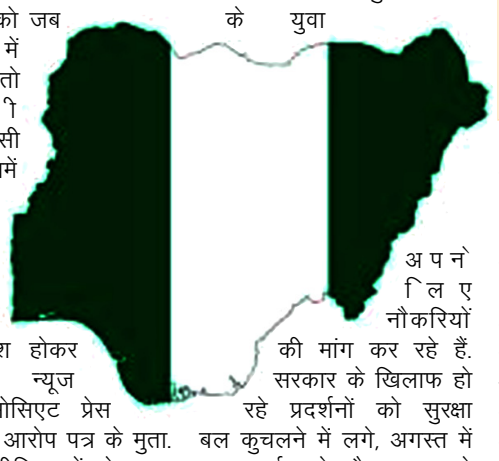

बढ़ती महंगाई से नाइजीरिया के लोगों को जीवन मुश्किल हो गया है और उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिए भी मशक्कत करनी पड़ रही है. जिसको लेकर हाल के महीनों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए हैं. देश के युवा अपने लिए नौकरियों की मांग कर रहे हैं. सरकार के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को सुरक्षा बल कुचलने में लगे, अगस्त में हुए प्रदर्शन के दौरान कम से कम 20 लोगों को गोली मार दी गई थी और सैकड़ों लोगा. ं को गिरफ्तार किया गया था.

अब इन प्रदर्शनों में गिरफ्तार हुए आरोपियों को फांसी की सजा होने की बात कही जा रही है. बता दें, नाइजीरिया में मृत्युदंड की सजा 1970 के दशक में शुरू की गई थी, लेकिन 2016 के बाद से देश में किसी को भी मौत की सजा नहीं दी गई है.

महंगाई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों में नाइजीरियाई सरकार ने कुल 76 प्रदर्शनकारियों पर 10 संगीन आरोप लगाए गए, जिनमें राजद्रोह, प्रोपर्टी को नुकसान पहुंच. ाना, उपद्रव मचाना और विद्रोह करना शामिल है.

"नहीं की जा सकती आपरा. धिक कार्यवाही"

एक आरोपी के निजी वकील अकिंतयो बालोगन ने न्यूज एजेंसी से कहा कि बाल अधिकार एक्ट के तहत किसी भी नाबालिग के खिलाफ अपरा. धिक कार्यवाही नहीं की जा सकती और न ही उसे फांसी की सजा दी जा सकती है. बालोगन ने आगे कहा, "इसलिए नाबालिगों को देश की हाई कोर्ट के सामने पेश करना ही गलत है."

आरोपी किशोरों की पैरवी करने वाले दूसरे वकील मार्शल अबूबकर ने बताया कि अदालत ने सभी को जमानत दे दी और उनपर कई सख्त शर्तें लगाई हैं. अबू बकर ने कहा, "देश कर्तव्य अपने बच्चों को शिक्षित करना होता है और नाइजीरिया इन बच्चों को दंडित करने का फैसला कर रहा है.

ईरान के टारगेट पर इजराइल के ये ठिकाने, 72 घंटे में कर सकता है जवाबी हमला

इजराइल के हमले का जवाब ईरान बहुत जल्द दे सकता है. ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने इजराइल से बदले का ऐलान कर दिया है. इस बार ईरान इजराइल के ऐसे ठिकानों के टारगेट करने वाला है, जिसके बाद इजराइल का बड़ा नुकसान होना तय माना जा रहा है.

जम्मू-कश्मीर में चल रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेकर नई खबर सामने आई है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और चीन की खुफिया एजेंसियां जम्मू-कश्मीर में कई प्रोजेक्ट्स की जानकारी जुटा रही हैं. बताया जा रहा है कि इन एजेंसियों की नजर विशेष रूप से दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर है. पाकिस्तान इस पुल की महत्वपूर्ण जानकारी चीन को दे रहा है.ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने इजराइल से बदले का ऐलान कर दिया है. ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्लैटफॉर्म हमले के लिए स्ट्रैटेजिक लो. केशन पर तैनात कर दिए गए हैं. प्त्लब्ब कमांडर ने कहा है कि इजराइल पर अब बड़े हमले किए जाएंगे. उधर इजराइल ने भी ऐलान कर दिया है कि ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रो. कना उसका सबसे बड़ा लक्ष्य है.

क्या ईरान और इजराइल का ये संघर्ष महासंग्राम में बदलने वाला है? क्या हो सकते हैं ईरान के संभावित टारगेट और इजराइल कैसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने की योजना बना रहा है? आइये जानने की कोशिश करते हैं.

क्या हो सकते हैं ईरान का टारगेट?

ईरान के टारगेट पर भूमध्य सागर में बने इजराइल के ऑयल और नेचुरल गैस फील्ड हो सकते हैं, इनमें पहला है नोआ-1 है. ये इजराइल का नेचुरल गैस रिज है, ये गैस रिज इजराइल के तटीय शहर अश्केलोन से 40 किलोमीटर दूर है. इजराइल यहां 1999 से गैस निकासी कर रहा है.

ईरान का दूसरा टारगेट बन सकता है मारी-बी, ये भी इजराइल का नेचुरल गैस रिज है.

इजराइल का ये गैस रिज भू मध्य सागर में नोआ-वन से 15की.मी. आगे है, इस फील्ड में 45 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस भंडार है. इजराइली पेट्रोलियम मंत्रालय यहां 2004 से गैस निकासी कर रहा है.

ईरान का तीसरा टारगेट बन सकता है तमार गैस फील्ड, ये भी नेचुरल गैस रिज है.

ये रिज इजराइल के हाइफा शहर से 90 किलोमीटर दूर भूमध्य सागर में है, यहां भी 1999 से गैस निकासी की जा रही है.

ईरान का चौथा टारगेट हो सकता है लेवियाथन गैस फील्ड, ये भी इजरा. इल का नेचुरल गैस रिज है. ये तमार गैस रिज से पश्चिम में 30 किलोमीटर आगे है, ये 810 बिलियन क्यूबिक मीटर वाला इजराइल का सबसे बड़ा गैस फील्ड है.

इसके अलावा ईरान की मिसाइलें कारिश, तापिन और डॉल्फिन ऑयल, गैस रिज पर भी बरस सकती हैं इजराइल के ये गैस और ऑयल रिज एफ्रोडाइट नेचुरल फील्ड में बने हुए हैं. ये तीनों रिज साइप्रस के पश्चिम में हैं और साइप्रस तट से 40 दूर किलोमीटर हैं.

अमेरिकी चुनाव से पहले हो सकता है हमला

5 नवंबर को अमेरिका में मतदान होना है और दावा किया जा रहा है उससे पहले ही ईरान इजराइल पर हमले कर सकता है. ईरान इजराइल को जवाब देने में देरी करना नहीं चाहता है, उसका मकसद है प्रॉक्सी के हौसले बुलंद रखना और इजराइल पर हमले करने से प्रॉक्सी संगठनों का जोश बढ़ाना है.

इजराइल की तैयारी

ईरान इजराइल पर हमलों का प्लान बना रहा है और दूसरी तरफ इजरा. इल ने ऐलान कर दिया है कि बतौर राष्ट्र ईरान की सबसे बड़ी महत्वाकांक्षा कभी पूरी नहीं होने दी जाएगी. इजरा. इल जिस लक्ष्य के बारे में बात कर रहा है ईरान उसके बहुत करीब है, ईरान परमाणु बम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर चुका है और बहुत जल्द बम बना सकता है.

रोजगार के आंकड़े पर दुष्प्रचार करना बंद करे कांग्रेस... हरदीप पुरी का मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि मैं एक बार फिर मल्लिकार्जुन खरगे से अनुरोध करूंगा वो अपनी पार्टी के उन नेताओं पर लगाम लगाएं जो बेरोजगारी, पेपरलीक या इकोनोमी को लेकर मोदी सरकार पर हमले करते हैं. उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से हमला बोला कि खरगे साहब खुद भी अपने सोशल मीडिया डिपार्टमेंट के तथ्यों को परख लें फिर उसके बाद अपनी राय बनाएं.

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाकर हमला बोला है. हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खरगे के आरोपों को लेकर एकसाथ कई पोस्ट लिखी और निशाना साधा.

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर मनगढ़ंत आंकड़ों और फर्जी डेटा को लेकर सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गई है. उन्होंने लिखा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता भी इन तथ्यों की सत्यता की जांच पड़ताल नहीं करते और अपनी राय आगे बढ़ा देते हैं.

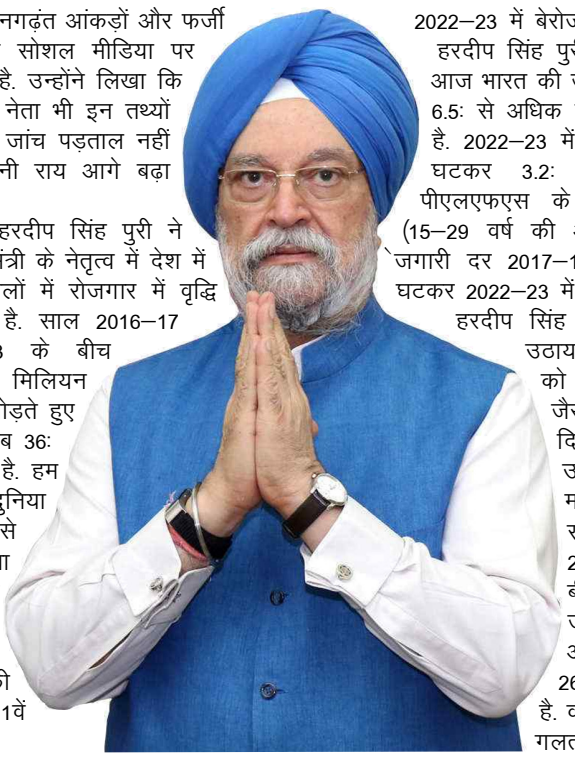

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में पिछले कुछ सालों में रोजगार में वृद्धि देखी जा रही है. साल 2016–17 और 2022–23 के बीच करीब 170 मिलियन नौकरियों को जोड़ते हुए रोजगार में करीब 36: की वृद्धि हुई है. हम बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर हैं. यूपीए की सरकार में देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी.

2022–23 में बेरोजगारी दर घटी

हरदीप सिंह पुरी ने लिखा कि आज भारत की जीडीपी औसतन 6.5: से अधिक की दर से बढ़ी है. 2022–23 में बेरोजगारी दर घटकर 3.2: हो गई है. पीएलएफएस के अनुसार युवा (15–29 वर्ष की आयु) की बेरा. `जगारी दर 2017–18 में 17.8: से घटकर 2022–23 में 10: हो गई है.

हरदीप सिंह पुरी ने सवाल उठाया कि खरगे जी को अराजकता जैसी स्थिति कहां दिखाई देती है. उन्हें शायद मालूम हो कि स ा ल 2017–2023 के बीच श्रमिक ज न स ं ख्य ा अनुपात में करीब 26: की वृद्धि हुई है. वह स्पष्ट रूप से गलत डेटा शेयर कर रहे हैं या उनके सलाहकार झूठ परोस रहे हैं. यह युवाओं को दिग्भ्रमित करने वाला आंकड़ा है.

यूपीए काल में 10 पेपर लीक घोटाले

उन्होंने पेपर लीक के बारे में खरगे के उठाए गए सवाल पर भी हमला बोला है. हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि सत्ता में लंबे समय तक रहने के दौरान उनकी पार्टी ने कई घोटाले किए, जिनमें एक पेपर लीक भी है. यूपीए सरकार के दौरान कम से कम दस बड़े पेपर लीक हुए.

क्या खडरगे जी ने 2007 में एआईईईई पेपर लीक के बारे में नहीं सुना? या 2008 में च्डज, 2012 में एम्स, 2014 में सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं और कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा में पेपर लीक के बारे में नहीं सुना?

मोदी काल में घरेलू बचत का हिस्सा बढ़ा

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मैं एक बार फिर खरगे जी से कहना चाहता हूं कि महामारी के बाद घरेलू क्षेत्र की समग्र बचत की संरचना में बदलाव आया है.

भविष्य निधि और पेंशन फंड में रखी गई घरेलू बचत का हिस्सा 2011–12 में 10: था, जो 2022–23 में 21: हो गया है.

डिजिटल कैंपेन ने पकड़ा जोर३ दिवाली पर यूपीआई ट्रांजेक्शन 15 बिलियन पार, विदेशी मुद्रा-स्वर्ण भंडार भी बढ़ा

देश में डिजिटल अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है. हर विभाग में, देश के हर नागरिक के जीवन में आज डिजिटल माध्यम को अपनाने का चलन जोर पकड़ता जा रहा है. सरकार के डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंपेन से 180 हजार से अधिक पेंशनभोगियों को जोड़ा जा चुका है. सफलता को देखते हुए पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने तीसरा राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान शुरू किया है. इसे 1 नवंबर से 30 नवंबर तक देश भर के 800 शहरों और जिलों में आयोजित किया जा रहा है.

केंद्र सरकार ने कहा कि इस विशेष अभियान के पहले ही दिन 180 हजार से अधिक पेंशनभोगियों ने अपना डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनवाया है. केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने एक बयान में कहा है– यह अब तक का सबसे बड़ा डीएलसी अभियान है.

उधर अक्टूबर में यूपीआई ने 16 बिलियन लेनदेन को पार कर लिया है, जो अब तक का एक रिकॉर्ड है.

त्यौहारी सीजन में इस आंकड़े को नया रिकॉर्ड माना जा रहा है.पिछले महीने सितंबर ही यूपीआई ने 15 बिलियन ट्रांजेक्शन का आंकड़ा पार किया था. पिछले महीने औसतन हर दिन 500 मिलियन ट्रांजेक्शन हुए. 30 अक्टूबर को धनतेरस के दिन 546 मिलियन यूपीआई घ्ट्रांजेक्शन हुए, जो एक दिन में हुए ट्रांजेक्शन का रिकार्ड है.

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन छह महीने की अवधि के दौरान सबसे ऊंचे स्तर 1. 87 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया. पिछले साल की समान अवधि से यह 8.9: अधिक है. अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक साल दर साल जीएसटी कलेक्शन 12.74 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया. जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 11.64 ट्रिलियन रुपये की तुलना में 9. 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

भारत की अर्थव्यवस्था हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है. आज भारत न केवल दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. बल्कि देश ने विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भी नया कीर्तिमान स्थापित किया है.

इतिहास में पहली बार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच गया है. यह आंकड़ा देश की बढ़ती आर्थिक ताकत और विकास को दर्शाता है. बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ भारत के पास चीन, जापान, स्विट्जरलैंड के बाद चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है.

वहीं आईएमएफ यानी अंत. रराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल इकोनोमी फोरम में भारत के लिए जीडीपी वृद्धि का पूर्वानुमान 2025 के लिए 7 फीसदी तो साल 2026 के लिए 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा गया है.

महाराष्ट्र में बागी बने बड़ी चुनौती, काट खोजने में जुटे एमवीए और महायुति के नेता

महाराष्ट्र ने चुनावी महासमर में अब बागी बड़ी चुनौती बन गए हैं. दोनों गठबंधन के चुनाव प्रभारी बागियों को समझाने के लिए रास्ता तलाश रहे हैं. बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए यानी महायुति में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है. कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन (महाविकास अघाड़ी) का हिस्सा उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी (एस) है.

इसके बावजूद कई सीटों पर बागी नेताओं के उतरने से एनडीए और इंडिया गठबंधन के दो प्रत्याशी मैदान में नजर आ रहे हैं, जिसके चलते दोनों ही गठबंधनों की सियासी टेंशन बढ़ गई है. बीजेपी से जिन बागियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है, उसमें एक बड़ा नाम गोपाल शेट्टी का है. उन्होंने मुंबई के बोरीवली विधानसभा क्षेत्र से ताल ठोक दिया है. बीजेपी के बाला भेगडे को भी टिकट नहीं मिला तो वो निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं. बीजेपी का दावा है कि सभी निर्दलीय समय पर बैठ जाएंगे.

पचोरा सीट से बीजेपी के अमोल शिंदे बगावत के रास्ते पर

पचोरा सीट से बीजेपी के अमोल शिंदे बगावत कर निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं. मुंबा देवी सीट से बीजेपी के नेता अतुल शाह ने बागी रुख अपनाते हुए निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं. बुलढाणा सीट से बीजेपी नेता विजयराज शिंदे ने निर्दलीय ताल ठोक दी है. मेहकर सीट से बीजेपी के नेता प्रकाश गवई ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिया है.

महाराष्ट्र में सत्ता की लड़ाई में अब बागी महायुति और एमवीए दोनों के लिए टेंशन लेकर आए गई. एनडीए में 35 बागी तो वही एमवीए में 14 बागी अपने खुद के गठबंधन के खिलाफ मैदान में उतर गए है, दोनों गठबंधन अब इसकी काट के लिए मैनेजमेंट में लगे हैं.

ओवला माजीवाडा से बीजेपी के डिप्टी मेयर रहे हसमुख गहलोत बगावत कर मैदान में उतर गए हैं. पैठण सीट पर बीजेपी के नेता सुनील शिंदे बगावत कर उतर गए हैं. जालनाया सीट पर बीजेपी नेता भास्कर दानवे बगावत कर उतर गए. सिल्लोड सीट पर बीजेपी के सुनील मिरकर बगावत कर चुनाव मैदान में उतरे हैं.

सावंतवाडी सीट विशाल पारबा ने बढ़ाई टेंशन

सावंतवाडी सीट पर बीजेपी के विशाल पारबा बागी होकर उतर गए हैं. घनसावंगी सीट पर बीजेपी के सतीश घाटगे बागी उतरे हैं. कर्जत सीट से बीजेपी की किरण ठाकरे निर्दलीय उतर गए हैं. हालांकि राजनीतिक दलों का मानना है कि 288 विधानसभा वाली सीटों में बागी बहुत असर नहीं डालते छोटे राज्यों में इसका असर होता है.

वक्फ जमीन विवादरू किसानों को दिए गए नोटिस लिए जाएंगे वापस, सीएम सिद्धारमैया का आदेश

कर्नाटक में मुस्लिम किसानों की जमीन को वक्फ बोर्ड जमीन की संपत्ति बताकर नोटिस दिए जाने को लेकर सियासत तेज हो गई है. इस बीच सूबे के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बड़ा फैसला किया है. उन्होंने वक्फ जमीन मुद्दे पर किसानों को दिए गए पहले के सभी नोटिस रद्द करने के आदेश दिए हैं.

सीएम ने राजस्व, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं वक्फ बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते ये किसानों को जारी नोटिस तत्काल वापस लिए जाने का निर्देश दिया है. इस बैठक में सीएम सिद्धारमैया ने ताजा घटनाक्रम के बारे में बात की और उन्होंने वक्फ बोर्ड का किसानों को नोटिस दिए जाने को लेकर गहरी नाराजगी जाहिर की.

सीएम ने दिया किसानों को परेशान न करने का आदेश

इसके साथ ही बैठक में सीएम सिद्धारमैया ने कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई की भी बात कही. इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि पिहानी में कोई संशोधन किया गया है तो उसे तत्काल निरस्त किया जाए साथ ही किसानों को दिया गया नोटिस तुरंत वापस लिया जाए. सीएम ने अधिका. रियों को सख्त आदेश दिया कि किसानों को आगे से परेशान न किया जाए.

इससे पहले सीएम सिद्धारमैया ने वक्फ भूमि विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए किसानों को आश्वासन दिया था कि किसी भी किसान को उसकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा. इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि अगर किसी किसान को नोटिस जारी किया गया है तो उसे वापस ले लिया जाएगा.

किसानों की जमीन को बताया गया था वक्फ बोर्ड की संपत्ति दरअसल कर्नाटक में मुस्लिम किसानों की जमीन को वक्फ बोर्ड की संपत्ति बताकर नोटिस जारी किया गया था.

प्रदेश के विजयपुरा के किसानों के साथ ही कलबुर्गी, बीदर और शिवमोग्गा के किसानों ने इसकी शिकायत दर्ज कराई थी. किसानों का कहना था कि वक्फ बोर्ड द्वारा उनकी जमीन खाली करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि वो लोग पिछले कई सालों से उस जमीन पर खेती करते आ रहे हैं.

संपादकीय

कोलकाता का विरोधाभास

कोलकाता को वैश्विक मान्यता मिलने पर विरोधाभासी एक दर्दनाक खुशी प्रभावी प्रतीत होती है ॰ शहर को अपने तेज़ विकास के लिए सैविल्स ग्रोथ हब इंडेक्स द्वारा 19वां स्थान दिया गया है। क्या कोलकाता निराशा के रहस्य से ग्रस्त है? क्या यह एक बड़ी शहरी आपदा है? कम से कम दीवारों पर भित्तिचित्र किसी को यह विश्वास दिलाते हैं कि कोई उम्मीद नहीं है। कोलकाता के प्रेमियों को सबसे ज़्यादा परेशानी इस बात से होती है कि हाल ही में सवालों के जवाब स्वतःस्फूर्त रूप से नकारात्मक में दिए जा सकते हैं। आनंद के शहर के बारे में हर चर्चा अतीत में एक भावुक यात्रा बन जाती है। शहर की जड़ों को खा जाने वाली सड़ांध से टकराव अनिवार्य रूप से अपने ही अहंकार का शिकार होने जैसा है। एक कट्टर कोलकातावासी के लिए, जो अपने आस–पास की कठोर वास्तविकता से कठोर रूप से दंडित होता है, असंगठित व्यवस्था को व्यवस्थित करने का पुण्य आनंद एक दूर का सपना है। वह एक निष्क्रिय समय–मशीन में कैद है जो न तो उसे आगे ले जाती है और न ही उसे पुराने दिनों में संतुष्ट होकर आनंद लेने देती है। एक तरह से, वह उस शहर में फंस गया है जिसे वह प्यार करता है और उस अस्वस्थता को दूर करने में असमर्थ है जिसने इसकी जीवंतता को छीन लिया है। तो फिर कोलकाता अपने सभी ट्रैफिक जाम, बंद, मिचिल, अड्डा आदि के बीच इतना खास क्यों है? दोपहर में सियालदाह और हावड़ा स्टेशनों की ओर भागते हुए नागरिकों की भीड़ में शामिल एक व्यक्ति भी गर्व से कहेगा कि ऐसा कोई दूसरा शहर मिलना मुश्किल है जिसका नाम छह नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ जोड़ा जा सके। पीछे मुड़कर देखें तो कोलकाता के साथ रुडयार्ड किपलिंग के रिश्ते में कुछ गहरापन है, जहाँ उनका जन्म हुआ था और जहाँ वे 1888 में एक पत्रकार के रूप में काम करने के लिए वापस आए थे। खास तौर पर, उनकी पहली प्रतिक्रिया भावुक लेकिन गहरी स्वामित्व वाली थी। हुगली ब्रिज के नीचे बड़ी संख्या में जहाजों को देखते हुए, उन्होंने कहारू ष्लूटने के लिए यह कितनी दिव्य जगह है!ष ऐसा लगता था कि मूल निवा. सियों को ऐसे शहर के नियंत्रण में कोई भी आवाज़ उठाने की अनुमति देना न केवल गलत था, बल्कि एक आपराधिक बात थी ष्जो अंग्रेजों द्वारा सजाया गया, डॉक किया गया, घाट पर बनाया गया, सामने से घिरा हुआ और पुनः प्राप्त किया गया, केवल इसलिए अस्तित्व में है क्योंकि इंग्लैंड रहता है और अपने जीवन के लिए इंग्लैंड पर निर्भर है।ष ष्लूटष शब्द का इस्तेमाल हालांकि हल्के–फुल्के अंदाज में किया गया है, लेकिन यह उपनिवेशवादियों के विशिष्ट रवैये को दर्शाता है। कोलकाता में जीवन के प्रति किपलिंग की शुरुआती प्रतिक्रियाओं में से एक षबिग कलकत्ता स्टिंकष के नाम से एक समग्र आक्रोश था। कलकत्ता की दुर्गंध बनारस और पेशावर दोनों से ज़्यादा है... यह फीकी है। यह बीमार है, और यह अवर्णनीय है... यह सड़ चुके भ्रष्टाचार के सार जैसा है...ष तीन सौ साल से भी ज़्यादा पहले, कलकत्ता को साहसी ब्रिटिश व्यापारियों के एक समूह ने बढ़ावा दिया था, जिसका उद्देश्य इसे एक प्रतिस्पर्धी व्यापार केंद्र बनाना था। जब इतिहास की विडंबना यह है कि व्यापारी देश के शासक बन गए, तो यह कलकत्ता ही था जो डेढ़ सदी से भी ज़्यादा समय तक भारतीय उपमहाद्वीप में ब्रिटिश साम्राज्यवादी शक्ति का गढ़ बना रहा। लेकिन जिस बात को अक्सर अनदेखा किया जाता है, वह है अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वाणिज्य में शहर के रणनीतिक महत्व के बारे में ब्रिटिश धारणा। शाही राजनीतिक प्रबंधन के संदर्भ में, कलकत्ता ने हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुदूर पूर्व में ब्रिटिश व्यापारिक हितों को आगे बढ़ाने के मामले में भी इसने बड़ी भूमिका निभाई। कलकत्ता ब्रिटेन के चीन के साथ और जापान, सिंगापुर और हांगकांग के साथ व्यापार का मुख्य केंद्र रहा है, जिसमें पूरा पूर्वी क्षेत्र बेहतरीन विनिर्माण, खनन और कृषि गतिविधियों के माध्यम से आपूर्ति लाइन के रूप में काम करता था। इस बीच, भागीरथी में बहुत पानी बह चुका है और शहर बदल गया है। लॉर्ड मैकॉ ले, जिन्होंने भारतीयों को पश्चिमी संस्कृति और शिक्षा से परि. चत कराया था, उसी जंगल की बात करते हैं जिसे श्रीमती किंडर्स ले ने ष्महलों का शहरष कहकर अपमानित किया था। 1803 में लॉर्ड वैलेंसिया ने लिखा थारू ष्चौरिन घ ई, महलों का एक पूरा गाँव इसके समकोण पर काफी लम्बाई तक फैला हुआ है, और कुल मिलाकर यह सबसे बेहतरीन दृश्य है जो मैंने किसी भी देश में कभी देखा है।

नये जमाने का नया जुआ.. ऑनलाइन सट्टेबाजी जो बैठे-बिठाए कर रही बर्बाद

आपने मोबाइल में गेम तो डाउनलोड किया ये सोचकर कि आप खेलेंगे, लेकिन गेम कब आपके दिमाग के साथ खेलने लगता है आपको पता ही नहीं चलता.

çfeyk nhf{kr

धीरज एक एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं. सैलरी 15000 रुपए है. थोड़ा और कमाने की चाहत में एक दिन उन्होंने मोबाइल पर एक विज्ञापन देखा. खेलिए गेम और जीतिए करोड़ों रुपए. हालांकि, एड में बहुत छोटे अक्षरों में ये लिखा था कि खेल की लत लग सकती है और आर्थिक नुकसान भी संभव है. लेकिन धीरज को सिर्फ पहली लाइन में अपना मतलब सिद्ध होता दिखा. ऐप डाउनलोड की, 200 रुपए लगाए, और पहली ही बार उस दो सौ से हज़ार रुपए जीत लिए ३फिर क्या ये सिलसिला महीनों चला, हार जीत भी चलती रही.

फिर गेमिंग के बाद उन्हें बेटिंग एप्स का पता चला. वहां भी पैसे लगाने शुरू कर दिए. अच्छे पैसे आने भी लगे, और अमीर बनने के लालच में धीरज ने 15 हज़ार की नौकरी को लात मार दी. बस वहीं से उल्टा गेम शुरू हुआ. धीरज बताते हैं वो हारते गए और कर्ज बढ़ता गया. लोन ऐप से लोन लेना शुरू कर दिया फिर सब कुछ बर्बाद ही होता रहा.

छह साल में 80 लाख रुपए हार चुके धीरज ने 2019 वर्ल्ड कप मैच में इंडिया पर 2 लाख रुपए लगाए. इंडिया हार गई और धीरज ने डिप्रेशन में सुसाइड की कोशिश भी की. परिवार को जब पता लगा तब वो मदद के लिए साथ खड़े हुए. बढ़ रहा ऑनलाइन गेमिंग का चस्का

सेलीब्रिटीज़ के भारी–भरकम प्रचार से ऑनलाइन गेमिंग पॉपुलर हो रहा है लेकिन कितने घर बर्बाद हो रहे हैं, इसका कोई आंकड़ा नहीं.

28 साल के राज पांडेय भी प्राइवेट कंपनी में थे. दोस्तों से बेटिंग एप्स और ऑनलाइन गेमिंग के बारे में पता चला. 500 रुपए लगाए, पांच गुना वापस आया. उन्हें लगा इससे अच्छा क्या है. कई सारी वेबसाइट पर खेलने लगे, शुरू में अच्छे पैसे मिले, वो भी गेम में लगा दिए. नौकरी छोड़ दी, लगा पूरा दिन खेलूंगा तो जल्द से जल्द अमीर बन जाऊंगा लेकिन हारते चले गए. दोस्तों रिश्तेदारों से उधारी में पड़ गए, लोग दरवाजे पर आकर लड़ने लगे. राज रोते हुए बताते हैं, पैसा लौटाने के लिए घर से गहने भी चोरी किए. कर्ज से तनाव हुआ तो नशे को सहारा बनाया, मरने का भी सोचा.

कैसे दलदल में फंसते जाते हैं लोग

एक प्राइवेट कॉलेज में टीचर विनय ने बताया कि किसी स्कूल के बच्चे ने उन्हें एक ऑनलाइन गेम के बारे में बताया. कहानी वही कि शुरू में अच्छे पैसे आए फिर जमा– पूंजी भी चली गई.

आपके दिमाग से खेल रही गेमिंग एप

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्सपर्ट अभिषेक निगम कहते हैं कि गेम कंपनियां आपकी साइकोलॉजी के हिसाब से साइक. ोलॉजिकल इंस्टिंक्ट को यूज कर रही हैं और इस मॉडलिंग को यूज करके आपक. ो ट्रैप में फंसा लिया जाता है. मॉडल आपके बिहेवियर पैटर्न को जानते हैं, उसी के बेस पर आपको एक बार फंसा लेते हैं और फिर उसी में आपको इंवॉल्व रखते हैं. जो मॉडल्स हैं, वो इस तरीके से चलते हैं कि आखिरी में फायदा गेम खेलने वाले को नहीं बल्कि गेमिंग कंपनी को ही होता है. ये एक कैसिनो इकोसिस्टम में भी चलता था, अब इस सिस्टम में भी चलता है कि वो मॉडल्स का ही इस्तेमाल करते हैं.

समझिए विज्ञापन का पूरा खेल

जैसे पहले लोग जुए की लत में घर बर्बाद कर देते थे, अब वही काम ऑनलाइन गेमिंग की लत करवा रही है. बस तरीका स्मार्ट, अप टू डेट और इंटेलीजेंट है. आपको दिखाया जाता है कोई 100 रुपए लगाकर 1.5 करोड़ जीत गया लेकिन सच ये है कि जीतता बस एक है, बाकी करोड़ों सिर्फ गंवाते हैं. ये आपका सपना तो करोड़पति बनने का दिखाते हैं लेकिन आपके पास जो है आप वो भी गंवा बैठते हैं.

अभिषेक निगम बताते हैं, 10 में से दो–तीन जीत जाएंगे लेकिन ओवरऑल फायदा कंपनी का ही होगा. ये रीइन्फोर्समेंट लर्निंग मॉडल होते हैं. तीन तरीके के मॉडल्स होते हैं, जो यह श्योर करते हैं कि 10 में से केवल दो–तीन ही जीते और बाकी हारे और लास्ट में फायदा केवल कंपनी को ही हो. जो जीत जाते हैं, उन्हें देखकर ही और लोग पैसा लगाते रहते हैं.

क्या कहते हैं आंकड़े

युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग की लत तेजी से बढ़ रही है. आप गूगल पर बस ऑनलाइन गेंमिंग में पैसा टाइप करिए उसके बाद जो दिखाई देगा आंखे फटी रह जाएंगी. कौन हैं वो लोग जो सबकुछ देखने–समझने के बाद भी लाखों रुपये इस जुए में हारते चले जा रहे हैं.

कानून क्या कहता है?

पब्लिक प्लेसेस पर सट्टा खेलना कानूनन बैन है. साल 1867 का पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट कहता है और यही नियम ऑनलाइन गेंमिम पर भी लागू है. हालांकि भारत में ही कुछ राज्य हैं जहां ऑनलाइन गेंमिग अपराध नहीं है. सिक्किम गोवा, और दमन जैसे स्टेट्स में इसे कानूनी मान्यता है क्योंकि संविधान ये कहता है कि गेंमिग कई मामलों में राज्य का विषय है.

इंग्लैंड, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोप के कुछ देशों में सट्टेबाजी लीगल है. भारत में भी कई बार इसे लीगल करने की बात उठी है. साल 1966 में सुप्रीम कोर्ट ने रमी और घुड़दौड़ में भी सट्टेबाजी को लीगल करार दिया लेकिन क्रिकेट में सट्टेबाजी गैर–कानूनी है.

साल 2022 में केंद्र सरकार ने संसद में ऑनलाइन गेमिंग रेगुलेशन बिल पेश किया, जिसमें फेंटेसी स्पोर्ट्स, ऑनलाइन गेम्स, आदि को रेगुलेट करने की बात की.

कौन–कौन सी ऐप हैं?

एंड्रॉयड और आईओएस पर कई बेटिंग एप्स और ऑनलाइन गेम ऐप्स हैं जिन पर लोग लाखों रुपये लूटा रहे हैं. एक तरफ तोयंग जनरेशन इतनी डिजिटल फ्रेंडली है लेकिन शौक से शुरू हुए गेंम के दलदल में कब फंस जाती है पता ही नहीं चलता. पैसा कमाने के क्विक ऑप्शन के ट्रैप में फंस जाते हैं जिनसे निकलना आसान नहीं है. इसके अलावा भी कई ऑनलाइन गेमिंग एप्स हैं, जिनपर पैसा लगाकर लोग गेम खेलते हैं.

कैसे बचें ऑनलाइन गेम की लत सेयृ

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्सपर्ट अभिषेक निगम कहते हैं, इस लत से कैसे बचें ये बहुत मुश्किल सवाल है क्योंकि आपके इंस्टिंक्ट बिहेवियर पैटर्न पर आपको खुद कंट्रोल करना होता है. दो बातें हैं, पहली– आपको सही जानकारी होना, दूसरा–ये गलत है फिर उससे बचना आपके ही हाथों में है.

जैसे सिगरेट के डिब्बे पर लिखा होता है कि यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिक. ारक है, सिगरेट तो आपकी बॉडी पर बहुत देर में असर करेगी लेकिन ऑनलाइन गेमिंग में तुरंत ही झटका लगेगा.

बच्चे ट्रैप में न फंसे इसके लिए क्या करें?

बच्चों को पैसे देने के लिए भी कई तरह के ।चच हैं, जो लोन देकर बच्चों को फंसा लेते हैं. जब बच्चे गेमिंग करते हैं तो पेरेंट्स को लगता है कि उनके बच्चे केवल गेमिंग कर रहे हैं. पेरेंट्स को पता ही नहीं चल पाता कि कब उनके बच्चे गेम के एरिया से निकलकर सट्टे में पहुंच गए. बच्चों को लगता है कि जितना पैसा जा रहा है, वो बना लेंगे लेकिन दस में से दो लोग ही बना पाते हैं. इसलिए बच्चों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है, बच्चों के ब्राउि. जंग पैटर्न का रिव्यू करना बहुत जरूरी है.

कितना बड़ा है ऑनलाइन सट्टे का बाजार

रिसर्च फर्म स्टेटिस्टा के मुताबिक, 2012 में भारत में करीब 6.10 लाख करोड़ रुपए का सट्टा लगाया गया था. जो 2018 में बढ़कर करीब 9 लाख करोड़ रुपए का हो गया.

कौन से एप्स हुए बैन

गृह मंत्रालय की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने 15 दिसंबर 2023 तक कुल 581 ऐप्स को ब्लॉक किया. इनमें से 174 सट्टेबाजी और जुए वाले ऐप्स थे. जिसम. े पबजी, गरेना फ्री फायर भी थे.

सट्टेबाजी के लिए इस्तेमाल होने वाले महादेव ऐप के अलावा ंतपउंजबी, थ्पतचसंल, 1एक्सबेट, लोटस365, दफाबेट वीकेएसजे बेतवसत्ता जैसे ऐप पर भी बैन लगाया.

शुभमन गिल नहीं दोहरा पाए 44 दिन पहले जैसी कामयाबी, टेस्ट करियर में तीसरी बार देखा ऐसा दिन

शुभमन गिल से उम्मीद थी कि वो मुंबई में भी वही करेंगे जो 44 दिन पहले चेन्नई में किया था. वो वही करेंगे जो इस साल पहले 2 बार कर चुके थे. लेकिन, अपने एक और टेस्ट शतक से जब वो 10 रन की दूरी पर खड़े थे, तभी उनकी पारी का अंत हो गया. शुभमन गिल 90 रन बनाकर शतक का बोझ लिए पवेलियन लौट गए. उन्हें एजाज पटेल ने अपना शिकार बनाया. इसी के साथ वो टेस्ट क्रिकेट में अपने छठे और इस साल के तीसरे टेस्ट शतक से चूक गए. अब तक के टेस्ट करियर में उन्होंने तीसरी बार वो दिन भी देख लिया, जिस देखने से दुनिया का हर बल्लेबाज बचना चाहता है.

शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में शतक जड़ने से चूक गए. पहली पारी में उन्हें 90 रन बनाकर आउट होना पड़ा. न्यूजीलैंड के खिलाफ जो हुआ वैसा शुभमन गिल के टेस्ट करियर में तीसरी बार देखने को मिला है.

गिल नहीं दोहरा सके 44 दिन पहले जैसा कमाल

टेस्ट क्रिकेट में शुभमन गिल ने अपना आखिरी शतक 19 सितंबर 2024 को बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में जड़ा था. उसके 44 दिन बाद ये पहली बार था जब गिल ने किसी टेस्ट पारी में फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया था. लेकिन, उस फिफ्टी प्लस स्कोर को 44 दिन पहले जैसे शतक में तब्दील करने में वो नाकाम रहे.

गिल के टेस्ट करियर में तीसरी बार हुआ ऐसा

मुंबई में शतक से चूकने से शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार टेस्ट में शतक बनाने का मौका भी गंवा दिया. इतना ही नहीं मुंबई में जे हुआ, वैसा गिल के टेस्ट करियर में तीसरी बार देखने को मिला.

हम यहां नर्वस नाइन्टीज का शिकार बनने की बात कर रहे हैं. गिल के साथ ऐसा तीसरी बार हुआ जब वो नर्वस नाइन्टीज में फंसे हैं. पहली बार वो नर्वस नाइन्टीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जनवरी 2021 में आउट हुए थे.

उसके बाद फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ भी 91 रन बनाकर आउट हुए. और अब तीसरी बार न्यूजीलैंड के खिलाफ वो 90 रन पर आउट हुए हैं.

टीम इंडिया के पर्थ पहुंचने से पहले 3 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के करियर पर खतरा, बीजीटी में नहीं मिलेगी जगह!?

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया 10 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी. भारतीय टीम सीधा पर्थ पहुंचेगी, जहां 22 नवंबर से पहला टेस्ट खेला जाएगा. टीम इंडिया के पर्थ पहुंचने से पहले ही 3 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के करियर पर खतरा मंडराता दिख रहा है. ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए अभी अपनी टीम का ऐलान नहीं किया है. लेकिन, इस बात की पूरी उम्मीद जताई जा रही है कि भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में उन 3 खिलाड़ियों को मौका मिलना अब मुश्किल है.

इन 3 खिलाड़ियों के टेस्ट करियर पर ग्रहण!

आप सोच रहे होंगे कि वो कौन से 3 खिलाड़ी हैं, जिनके करियर पर ग्रहण लग गया है? और क्यों वो टीम इंडिया के खिलाफ होने वाली सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा नहीं बन सकते? यहां पहले सवाल का जवाब कैमरन बैनक्रॉफ्ट, मार्कस हैरिस और सैम कॉन्सटास हैं. लोकल मीडिया की ही रिपोर्ट की मानें तो इन तीनों में से किसी का भी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बना पाना मुश्किल है. बड़ी बात ये है कि इनके साथ ऐसा होने की वजह भी भारतीय टीम है.

ओपनिंग स्लॉट के हैं तीनों दावेदार दरअसल, जिन 3 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की हम बात कर रहे हैं, वो तीनों अभी ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से इंडिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं. दिलचस्प बात ये है कि तीनों ही खुद को ओपनिंग स्लॉट के लिए साबित करने में जुटे हैं. लेकिन, इंडिया ए के गेंदबाजा. के खिलाफ तीनों का बुरा हाल देखकर लगता नहीं कि इनमें से किसी के नाम पर विचार अब सेलेक्शन कमिटी करेगी. इंडिया ए के खिलाफ फेल, करियर के साथ हो ना जाए खेल! इंडिया ए के खिलाफ तीनों में से किसी भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा उतरने वाला तो छोड़िए, उसके आस–पास का भी नहीं दिखा. पहली पारी में खाता नहीं खोलने वाले सैम कॉन्सटास दूसरी इनिंग में केवल 17 रन बना सके. मार्कस हैरिस ने पहली पारी में 17 रन बनाए वहीं दूसरी पारी में 36 रन से ज्यादा नहीं बना पाए.

कैमरन बैनक्रॉफ्ट की बात करें तो वो भी पहली पारी में खाता नहीं खोलने के बाद दूसरी इनिंग में केवल 16 रन ही बना सके. इन आंकड़ों से साफ है कि फिलहाल तो 3 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में से कोई भी ऑस्ट्रेलिया के ओपनिंग स्लॉट में जगह बनाता नहीं दिख रहा.

ऑस्ट्रेलिया के 3 खिलाड़ियों के करियर पर खतरा मंडरा रहा है. मंडराते खतरे का मतलब उनका भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से बाहर होने से है. बड़ी बात ये है कि उन पर मंडराते खतरे की वजह भी भारतीय टीम ही है.

आईपीएल 2025 से बाहर हुआ ये कप्तान, ऑक्शन में नाम ना देने का किया फैसला! ये है वजह

आईपीएल 2025 से पहले अपना नाम नहीं देंगे. द मेगा ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा. हाल ही में रिटेंशन लिस्ट का ऐलान किया गया था, जहां 10 टीमों ने मिलकर कुल 47 खिलाड़ियों को रिटेन किया था. अब बाकी सभी खिलाड़ी ऑक्शन में नजर आएंगे, जिसमें कई स्टार खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं. इसी बीच एक दिग्गज खिलाड़ी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है. ये खिलाड़ी आईपीएल 2025 से बाहर हो सकता है. माना जा रहा है कि बीसीसीआई के नए नियम के चलते ये खिलाड़ी ऑक्शन में भी अपना नाम नहीं देगा.

आईपीएल 2025 में नहीं खेलेगा ये कप्तान!

आईपीएल मेगा ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख रविवार यानी 3 नवंबर है. इसी बीच खबर सामने आई है कि इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ऑक्शन में टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, बेन स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने के चलते ये फैसला लेने जा रहे हैं. बता दें, बेन स्टोक्स पिछले सीजन का भी हिस्सा नहीं बने थे. वह आखिरी बार आईपीएल 2023 में खेलते हुए नजर आए थे, तब वह चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे. चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 16.25 करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन वह चोट के चलते कुछ ही मैच खेल पाए थे.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बेन स्टोक्स इंग्लैंड के लिए व्हाइट–बॉल क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं. वह इंग्लैंड के लिए आखिरी टी20 मैच 2022 टी20 वर्ल्ड कप में खेले थे. वहीं वनडे इंटरनेशनल के रिटायरमेंट से यू–टर्न लेकर उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप में वापसी की थी. लेकिन अब खबरें हैं कि ब्रैंडन मैकुलम की कोचिंग में वह एक बार फिर वनडे और टी20 टीम में वापसी कर सकते हैं. अगले साल की शुरुआत में चौंपियंस ट्रॉफी भी खेली जानी है. ऐसे में बेन स्टोक्स अपने करियर को लेकर बड़ा फैसला ले सकते हैं.

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले एक बड़ी खबर सामने आई है. एक स्टार ऑलराउंडर आगामी सीजन से बाहर हो सकता है.रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये खिलाड़ी मेगा ऑक्शन में भी अपना नाम नहीं देगा. दरअसल, ये खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देना चाहता है.

बीसीसीआई के इस नियम ने बढ़ाई टेंशन

स्टोक्स के ऑक्शन से हटने की एक वजह बीसीसीआई का एक नया नियम भी माना जा रहा है. दरअसल, आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के नए नियम के मुताबिक, ऑक्शन में बिकने के बाद अगर कोई विदेशी खिलाड़ी बिना किसी वैलिड कारण के अपना नाम वापस लेता है तो उस पर दो साल का बैन लगाया जा सकता है. कई बार ऐसा देखने को मिला है कि विदेशी खिलाड़ी सीजन की शुरुआत में अपनी फ्रेंचाइजी को छोड़ देते हैं, ऐसे में

भारतीय फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी, पाकिस्तान ने लिया ये फैसला

आईसीसी का अगला टूर्नामेंट चौंपियंस ट्रॉफी है और इसकी मेजबानी पाकिस्तान करेगा. साल 2025 की शुरुआत में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड जमकर तैयारी कर रहा है. लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावना ना के बराबर हैं. भारत–पाकिस्तान के खराब रिश्तों और पाकिस्तान में सुरक्षा के खतरे के बावजूद च्ठ को उम्मीद है कि टीम इंडिया इस टूर्नामेंट के लिए उनके देश आएगी. इन सब के बीच पीसीबी ने भारतीय फैंस के लिए एक बड़ा फैसला लिया है.

भारतीय फैंस के लिए पीसीबी का बड़ा फैसला

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और केंद्र सरकार में मंत्री मोहसिन नकवी ने अगले साल होने वाली आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी के मैच देखने के लिए उनके देश आने के इच्छुक भारतीय फैंस के लिए त्वरित वीजा जारी करने का आश्वासन दिया है. नकवी ने कहा कि पीसीबी को उम्मीद है कि चौंपियंस ट्रॉफी के मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में भारत के क्रिकेट प्रेमी पाकिस्तान के दौरे पर आएंगे. वह चाहते हैं कि भारतीय फैंस पाकिस्तान आकर लाहौर में इन दोनों देशों के बीच होने वाले मैच को देखें. एक अखबार ने नकवी के हवाले से कहा, 'हम भारतीय फैंस के लिए टिकटों का एक विशेष कोटा रखेंगे और हम जल्द से जल्द वीजा जारी करने के लिए उपयुक्त कदम उठाएंगे.' बदल सकते हैं चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के वेन्यू भारत और पाकिस्तान के बीच पीछले कई समय से रिश्ते अच्छे नहीं हैं, जिसके चलते भारतीय टीम इस देश का दौरा नहीं करती है. भारत और पाकिस्तान के बीच सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप के दौरान ही मैच खेले जाते हैं. ऐसे में माना जा रहा है कि ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा सकता है.

अगर ऐसा होता है कि टीम इंडिया ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच पाकिस्तान के बाहर ही खेलेगी और उसके सेमीफाइनल में पहुंचने पर भी वेन्यू में बदलाव किए जाएंगे. फिलहाल दोनों सेमीफाइनल भी पाकिस्तान में ही खेले जाने हैं. दूसरी ओर, इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच लाहौर में खेला जाना है. लेकिन टीम इंडिया फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल मैच भी पाकिस्तान के बाहर हो सकता, इसकी पूरी संभावना है कि ये मैच दुबई में कराया जा सकता है.

सुनील दत्त ने ऐसे तय किया बस कंडक्टर से लेकर बॉलीवुड और फिर सफल राजनेता तक का सफर

पार्टिशन से पहले के पंजाब राज्य के झेलम जिला के खुर्दी गांव में 06 जून 1929 को सुनील दत्त का जन्म हुआ था। उनका परिवार काफी गरीब था, जिसके कारण उनके संघर्ष की कहानी बचपन से शुरू हो गई थी। महज 5 साल की उम्र में सुनील दत्त के सिर से पिता का साया उठ गया।

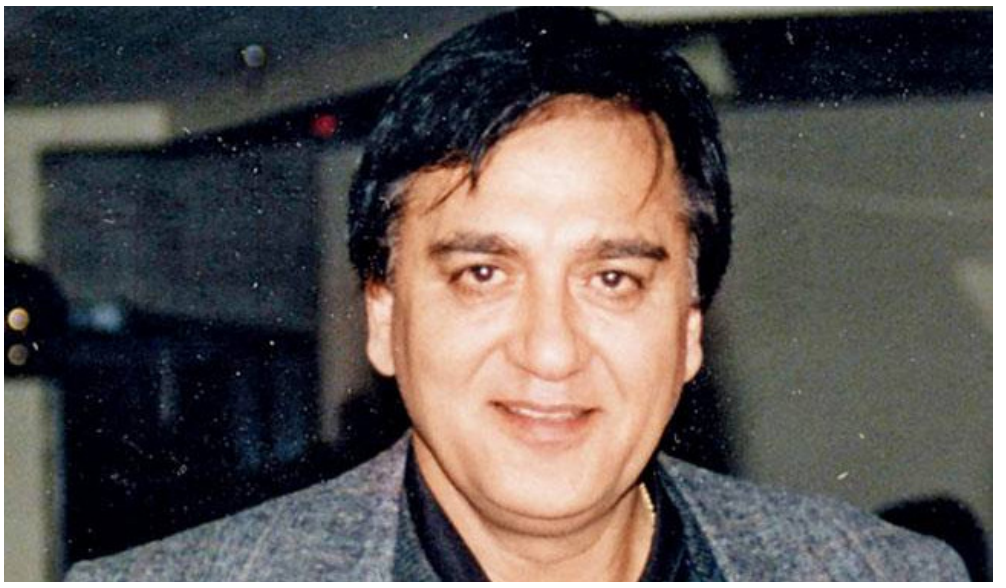

अनन्या मिश्रा

आज ही के दिन यानी की 06 जून को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील दत्त का जन्म हुआ था। बता दें कि 50–60 के दशक में वह बॉलीवुड के सुपरस्टार थे। उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। अभिनेता एक्टिंग के साथ–साथ राजनीति में भी हिट रहे। अभिनेता सुनील दत्त ने करीब 50 फिल्मों में काम किया था। हालांकि शुरूआत में सुनील दत्त को अपने जीवन में काफी उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ा था। आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर अभिनेता सुनील दत्त के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

पार्टिशन से पहले के पंजाब राज्य के झेलम जिला के खुर्दी गांव में 06 जून 1929 को सुनील दत्त का जन्म हुआ था। उनका परिवार काफी गरीब था, जिसके कारण उनके संघर्ष की कहानी बचपन से शुरू हो गई थी। महज 5 साल की उम्र में सुनील दत्त के सिर से पिता का साया उठ गया। जिसके बाद उनकी मां ने मुश्किलों से उनकी पालन–पोषण किया। शुरूआती शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने मुंबई के जय हिंद कॉलेड में एडमिशन लिया।

बस कंडक्टर की नौकरी

लेकिन मुंबई में रहने के लिए सुनील दत्त के पास पैसे नहीं थे। जिसके बाद उन्होंने नौकरी की तलाश शुरूकर दी। इसी दौरान उनको बस कंडक्टर की नौकरी मिली। ऐसे में वह खर्चा चलाने के लिए बस कंडक्टर की नौकरी करने लगे। हालांकि यह नौकरी तो सिर्फ कुछ समय के लिए थी। इसके बाद वह रेडियो जॉकी बन रेडियो सेयलॉन में अनाउंसर की नौकरी करने लगे। लेकिन इस दौरान उनके मन में अभिनेता बनने का सपना पल रहा था।

फिल्मी कॅरियर

सुनील दत्त सालों तक आरजे की नौकरी करते रहे। लेकिन उनकी किस्मत उस समय चमकी, जब साल 1955 में सुनील दत्त को उनकी पहली फिल्म श्रेलवे प्लेटफॉर्मश में काम करने का मौका मिला। हालांकि यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर सकी। लेकिन इसके बाद सुनील दत्त को इंडस्ट्री की दिग्गज अभिनेत्री नरगिस के साथ फिल्म मदर इंडिया में काम करने का मौका मिला।

इसके बाद सुनील दत्त को जीवन में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। नरगिस और सुनील दत्त की फिल्म श्मदर इंडियाश भारत की पहली फिल्म थी, जिसे ऑस्कर के लिए नॉमिनेट किया गया था।

सुनील और नरगिस का अफेयर

फिल्म मदर इंडिया में काम करने के दौरान नरगिस और सुनील दत्त अच्छे दोस्त बन गए।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर आग लग गई थी। उस आग में अभिनेत्री नरगिस फंस गईं थी। ऐसे में सुनील दत्त ने अपनी जान की परवाह किए बिना एक्ट्रेस को आग से बचाया। बस इसी घटना के बाद से नरगिस के दिल में सुनील ने अपनी जगह बना ली और दोनों का प्यार परवान चढ़ा। जिसके बाद 11 मार्च 1958 को दोनों शादी कर ली।

राजनीति में भी रहे हिट

फिल्मी दुनिया में बुलंदियां छूने के बाद अभिनेता ने राजनीति में भी अपना दमखम दिखाया। देश में मनमोहन सरकार के दौरान अभिनेता सुनील दत्त राज्यसभा सासंद थे। इसके अलावा उन्होंने मनमोहन सरकार में युवा और खेल विभाग के मंत्री पद का कार्यभार संभाला। राजनीति में रहने के दौरान सुनील दत्त ने गरीबों और जरूरतमंदों की खूब मदद की थी।

मृत्यु

अपनी अदाकारी के जरिए लोगा. के दिलों में खास जगह बनाने वाले सुनील दत्त आखिरी बार फिल्म श्मुन्नाभाई एमबीबीएसश में दिखाई दिए।

इस फिल्म में सुनील दत्त ने अपने बेटे संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर की थी। इसके बाद 25 मई 2005 को दिल का दौरा पड़ने से बेहतरीन अभिनेता और योग्य राजनेता रहे सुनील दत्त ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

सलमान खान ने बचाया था इस डायरेक्टर का डूबता हुआ करियर, करण जौहर से विवाद के बाद काम मिलना हो गया था बंद

फिल्म 'कल हो न हो' को निखिल आडवाणी ने डायरेक्ट किया था. उन्होंने अपने डायरेक्टोरियल करियर की शुरुआत धर्मा प्रोडक्शन के साथ की थी. 'कल हो न हो' उनकी ऐसी फिल्म है, जो आज भी देखी जाती है. इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था. लेकिन इसके तुरंत बाद ही फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर और डायरेक्टर निखिल आडवाणी के बीच किसी वजह से मनमुटाव हो गया, जिसके बाद दोनों ने अपने रास्ते अलग–अलग कर लिए. लेकिन धर्मा प्रोडक्शन से अलग होने के बाद निखिल को इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया और उनका करियर डूबने की कगार पर आ गया. ऐसे में उनकी मदद सलमान खान ने की थी. निखिल आडवाणी ने सलमान खान को मसीहा बताते हुए कहा, "सलमान खान इंडस्ट्री के मसीहा हैं, इसलिए क्योंकि जैसे ही मैं धर्मा प्रोडक्शंस के दरवाजे से बाहर निकला. मुझे सलमान का फोन आया उन्होंने मुझसे कहा कि आओ और मुझसे मिलो. अब तुम मेरे लिए काम करोगे, तुम मेरे लिए एक फ़िल्म बनाओगे." निखिल ने बताया कि करण जौहर से रिश्ते बिगड़ने के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो गया था. वो कई साल तक काम के लिए इंतजार करते रहे. लेकिन बॉलीवुड के ही लोगों ने उनका फोन उठाना बंद कर दिया था. इसी दौरान उन्हें सलमान खान से मिलने का मौका मिला. यही वजह थी कि उन्होंने साला. बाद सूरज पंचोली की 'हीरो' को डायरेक्ट किया था. सलमान खान को बताया रियल हीरो

उन्होंने आगे कहा, "मैंने हीरो इसलिए की, क्योंकि सलमान ने मुझे कॉल की थी." फिल्म 'हीरो' साल 2015 में आई थी, जब उन्हें ये फिल्म मिली थी. तब उन्होंने एक ट्वीट कर सलमान खान को अपना रियल हीरो बताया था. उन्होंने लिखा था ।

हिंदी सिनेमा के सबसे महंगे खलनायक थे अमरीश पुरी, ऐसे बनाई इंडस्ट्री में पहचान

आज ही के दिन यानी की 22 जून को अभिनेता अमरीश पुरी का जन्म हुआ था। थिएटर में सफल होने के बाद उन्होंने फिल्मों में आने का फैसला मिला। उन्हें फिल्में तो मिलीं, लेकिन बतौर हीरो नहीं। अमरीश पुरी को निगेटिव किरदार मिलने लगे। जिस शिद्दत से अमरीश पुरी ने अपने किरदारों से अपनी अलग पहचान बनाई।

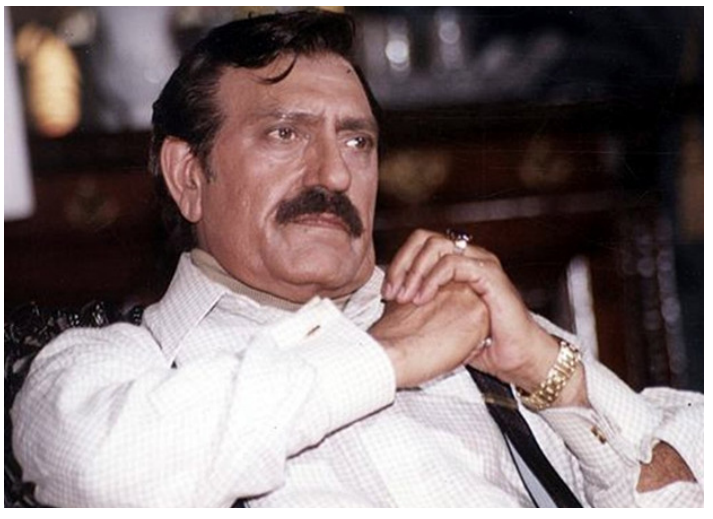

अनन्या मिश्रा

हिंदी सिनेमा के इतिहास में वैसे तो बड़े पर्दे पर कई खलनायकों ने तहलका मचाया। लेकिन जिस शिद्दत से अमरीश पुरी ने अपने किरदारों से अपनी अलग पहचान बनाई। अमरीश पुरी बड़े पर्दे पर विलेन के किरदारों से फेमस हो गए। वह एक ऐसे अभिनेता थे, जो हर किरदार में जान फूंक देते थे। उन्होंने 30 साल के फिल्मी कॅरियर में एक से बढ़कर एक किरदार निभाए। वह अपनी आंखों से दर्शकों को डराने में कामयाब रहते थे। उनका निभाया हर किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। आज ही के दिन यानी की 22 जून को अभिनेता अमरीश पुरी का जन्म हुआ था। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर अमरीश पुरी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म

पंजाब के नवांशहर में 22 जून 1932 को अमरीश पुरी का जन्म हुआ था। अमरीश पुरी ने जब बॉलीवुड का रुख किया, तो वह बतौर हीरो अपनी पहचान बनाना चाहते थे। लेकिन उनसे बोला गया कि उनका चेहरा अभिनेता बनने लायक नहीं है। यह सुन निराश अमरीश पुरी ने थिएटर ज्वाइन कर लिया और यहां पर उनकी एक्टिंग सभी को पसंद आने लगी।

फिल्मी कॅरियर

थिएटर में सफल होने के बाद उन्होंने फिल्मों में आने का फैसला मिला। उन्हें फिल्में तो मिलीं, लेकिन बतौर हीरो नहीं। अमरीश पुरी को निगेटिव किरदार मिलने लगे। बता दें कि 80 के दशक में अभिनेता अमरीश पुरी ने नसीब, विधाता, हीरो, हम पांच, अंधा कानून, अर्ध सत्य जैसी फिल्मों में बतौर खलनायक का रोल अदा किया। उन्होंने अपनी 30 साल के फिल्मी करियर में करीब 350 से अधिक फिल्मों में काम किया। उनकी गिनती हिंदी फिल्मों के सबसे सफल खलनायक के तौर पर होती थी। अमरीश पुरी अपने समय के सबसे अधिक फीस लेने वाले खलनायक थे। बता दें कि पर्दे पर अमरीश पुरी जितने अधिक खतरनाक दिखते थे, वहीं रियल लाइफ में वह एक मस्ती–मजाक करने वाले इंसान थे। जो भी व्यक्ति उनको करीब से जानता था, उन्हें बड़ा दिलदार शख्स बताता था। हम सभी ने अभिनेता को फिल्मों में जाम छलकाते देखा था, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि वह रियल लाइफ में शराब को हाथ तक नहीं लगाते थे। इंडस्ट्री में इतने सालों तक सक्रिय रहने के बाद भी उनका विवादों में नाम नहीं आया। असल जिंदगी में वह सादगी से रहना पसंद करते थे। उनका नाम कभी किसी एक्ट्रेस से नहीं जुड़ा। वह फिल्मों में काम करने से पहले बैंक में नौकरी किया करते थे। यहां पर काम करने के दौरान उनकी मुलाकात उर्मिला दिवेकर से हुई और दोनों के बीच दोस्ती फिर प्यार हो गया। हालांकि परिवार इनके रिश्ते से खुश नहीं था, लेकिन दोनों का परिवार मान गया और अमरीश पुरी व उर्मिला दिवेकर ने शादी कर ली।

मौतः बॉलीवुड के दिग्गज खलनायक रहे अमरीश पुरी का 12 जनवरी 2005 में ब्रेन हैमरेज हो गया और उन्होंने 72 साल की उम्र में इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

शादीशुदा मर्दों के लिए बेहद फायदेमंद होती है अंजीर, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

अंजीर तो आप सबने बहुत खाई होगी। अंजीर के सेवन से स्वास्थ्य को कई तरह के लाभ होते हैं। वहीं इसे पुरुषों की सेहत से भी जोड़कर देखा जाता है। पुरुषों की फर्टिलिटी को बढ़ाने के लिए या बेहतर करने के लिए सदियों से अंजीर का सेवन किया जाता है।

अंजीर तो आप सबने बहुत खाई होगी। अंजीर के सेवन से स्वास्थ्य को कई तरह के लाभ होते हैं। वहीं इसे पुरुषों की सेहत से भी जोड़कर देखा जाता है। पुरुषों की फर्टिलिटी को बढ़ाने के लिए या बेहतर करने के लिए सदियों से अंजीर का सेवन किया जाता है। इस बात में कितनी सच्चाई है कि पुरुषों की मर्दाना ताकत में क्या अंजीर के सेवन से वृद्धि होती है? अंजीर का सेवन मर्दाना ताकत बढ़ाने के लिए किस तरह किया जा सकता है? पुरुषों को इसके सेवन से क्या–क्या फायदा होते हैं। इसके बारे में भी जानेंगे।

ऐसे करें अंजीर का सेवन

आयुर्वेद के मुताबिक अंजीर का सेवन बढ़ाने के लिए अंजीर का सेवन आप किसी भी तरह से भी कर सकते हैं। हालांकि कुछ लोग रात भर के लिए अंजीर को पाना में भिगोकर रखते हैं। फिर अगली सुबह अंजीर का सेवन करते हैं। कुछ लोग अंजीर को ड्राई फ्रूट्स की तरह भी खाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मर्दाना ताकत को बढ़ाना चाहते हैं। तो इसके लिए आपको दूध में भिगोकर अंजीर का सेवन करना चाहिए। इस तरह से सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ स्टेमिना भी बढ़ेगा। साथ ही इसका आपकी फर्टिलिटी पर भी बेहतर असर होगा।

पोषक तत्वों से भरपूर है अंजीर

बता दें कि अंजीर में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। अंजीर में आयरन, विटामिन, कॉपर और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसकी तासीर गर्म होती है। साथ ही यह मिनरल्स और

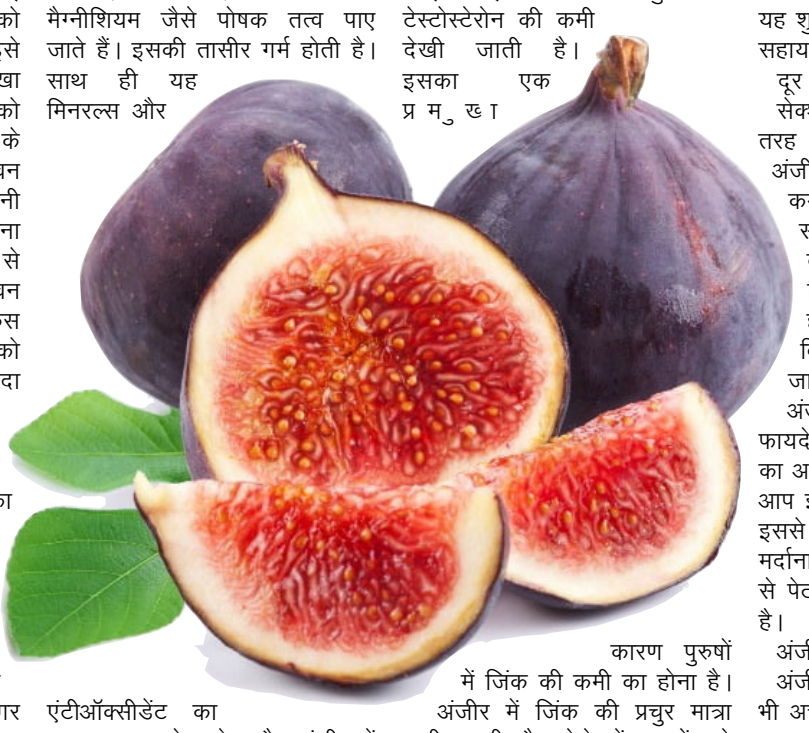

एंटीऑक्सीडेंट का एक अच्छा स्त्रोत होता है। अंजीर में मौजूद पोषक तत्व पुरुषों के स्पर्म काउंट को बढ़ा देते हैं। स्पर्म को स्ट्रांग बनाने के साथ स्टेमिना भी बूस्ट करता है। हर पुरुष को अंजीर का सेवन करना चाहिए। यह पुरुषों की सेक्शुअल लाइफ पर अच्छा और पॉजिटिव असर होता है।

टेस्टोस्टेरोन में वृद्धि

कई बार खराब खानपान या लाइफस्टाइल के कारण पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन की कमी देखी जाती है। इसका एक प्रमुख कारण पुरुषों में जिंक की कमी का होना है। अंजीर में जिंक की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। ऐसे में पुरुषों को टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ाने के लिए अंजीर का सेवन करना चाहिए।

स्पर्म काउंट में वृद्धि

पुरुषों में अच्छा स्टेमिना पाया जाता है। लेकिन उनका स्पर्म काउंट सही नहीं होता है। ऐसे में उन्हें पिता बनने में समस्या होती है। इस समस्या से बचने के लिए आप अंजीर का सेवन कर सकते हैं। अंजीर में जिंक और मैग्नीशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं। यह शुक्राणुओं की संख्या को बढ़ाने में सहायक होता है।

दूर होगी कमजोरी

सेक्शुअल लाइफ को कमजोरी बुरी तरह से प्रभावित करती है। लेकिन अंजीर के सेवन से आप थकान और कमजोरी को दूर कर सकते हैं। साथ ही अपनी मर्दाना ताकत भी वापस पा सकते हैं। अंजीर के नियमित सेवन से कमजोरी दूर होती है। साथ ही इसमें विटामिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

अंजीर को दूध में मिलाकर पीने के फायदे अंजीर में फाइबर और कैलोरी का अच्छा स्त्रोत पाया जाता है। अगर आप इसे दूध में मिलाकर पीते हैं, तो इससे कमजोरी दूर होती है और मर्दाना ताकत बढ़ती है। इसके सेवन से पेट भी लंबे समय तक भरा रहता है।

अंजीर खाने का सही तरीका

अंजीर में फाइबर और कैलोरी का भी अच्छा स्त्रोत पाया जाता है। आप इसका खाली पेट भी सेवन कर सकते हैं, या फिर रात भर पानी में भिगोकर अगली सुबह भी इसका सेवन कर सकते हैं।

या फिर आप अंजीर का दूध के साथ भी सेवन कर सकते हैं। पूरा दिन एनर्जेटिक रहने के लिए आप रोजाना सुबह खाली पेट भी अंजीर खा सकते हैं। दूध में भीगे हुए अंजीर खाने से मर्दाना ताकत बढ़ती है।

इंफेक्शन होने पर बच्चों के गले में हो सकती है खराश, जानिए कैसे करें इसका इलाज

मानसून में बच्चे को इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में बच्चों को सिर दर्द, खांसी, जुकाम, बुखार व गले में दर्द की समस्या देखने को मिलती हैं। मानसून में बच्चों को खासकर सर्दी–जुकाम और गले में खराश की समस्या हो सकती है। बता दें कि गले में खराश व दर्द को स्ट्रेस थ्रोट के नाम से भी जाना जाता है। यह बैक्टीरियल संक्रमण होता है, जो ग्रुप ए स्ट्रेप की वजह होती है। बैक्टीरिया मुख्य रूप से बच्चों और टिन्स को इंफेक्शन करता है। कुछ दवाओं से बैक्टीरियल इंफेकशन का इलाज किया जा सकता है। इसके साथ ही इससे बचने के लिए डॉक्टर कुछ सावधानियां बरतने को बताते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बच्चों के गले में खराश या दर्द होने पर क्या करें और इसके क्या कारण होते हैं। बच्चों में स्ट्रेप थ्रोट का मुख्य कारण ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस बैक्टीरिया होता है। यह बैक्टीरिया इंफेक्टेड होता है। इससे संक्रमित व्यक्ति की खांसी और छींक से निकलने वाली सांस से इंफेक्शन फैलता है। भीड़ भरे माहौल जैसे स्कूलों या डेकेयर सेंटरों में बच्चे अक्सर बैक्टीरिया से संक्रमित हो जाते हैं। इसलिए बच्चे को हाथ धोने के साथ खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ जरूर रखने की आदत डलवाएं। बता दें कि बच्चों में 5 से 15 साल की आयु में इम्यून सिस्टम डेवलप हो रहा है। ऐसे में बच्चों को इंफेक्शन की संभावना ज्यादा अधिक होता है। बच्चों की इम्यूनिटी बैक्टीरिया से लड़ने के लिए मजबूत नहीं होती है।

महिलाएं ब्रेस्ट के साथ भूलकर भी ना करें ऐसी गलतियां, वरना हो सकती हैं कई गंभीर बीमारियां

महिलाएं कुछ गलत आदतों के कारण ब्रेस्ट की देखभाल में चूक जाती हैं। जिसका खामियाजा उन्हें कुछ समय बाद उठाना पड़ता है। हम आपको कुछ ऐसी कॉमन गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो महिलाओं के ब्रेस्ट की सेहत को खराब कर सकता है।

महिलाओं के शारीरिक बनावट का एक अहम हिस्सा ब्रेस्ट माना जाता है। ब्रेस्ट में ग्लैंड्स मौजूद होने के कारण दूध का उत्पादन होता है। जो नवजात बच्चे को पोषण देने में मददगार साबित होता है। बता दें कि एस्ट्रोजन और प्रोजेस्ट्रॉन नाम के दो हार्मोन्स की मदद से ब्रेस्ट में ब्रेस्ट टशि्ू बनते हैं जो किपीरियड्स, प्रेगनेंसी और स्तन के स्वास्थ्य को कंट्रोल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह एक झिल्ली की तरह बने होते हैं और इसकी सहायता से ब्रेस्ट कैंसर के लक्षणों को पहचानने में मदद मिलती है। महिलाओं के स्वास्थ्य में ब्रेस्ट अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए महिलाओं को ब्रेस्ट की देखभाल में कोई गलती नहीं करनी चाहिए। लेकिन कुछ गलत आदतों के कारण महिलाएं ब्रेस्ट की देखभाल में चूक जाती हैं। जिसका खामियाजा उन्हें कुछ समय बाद उठाना पड़ता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी कॉमन गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो महिलाओं के ब्रेस्ट की सेहत को खराब कर सकता है।

स्तन की बनावट पर दें ध्यान

अगर किसी महिला को लगता है कि उनके ब्रेस्ट की बनावट या साइज ठीक नहीं है, तो ऐसे में चिंता करने वाली कोई बात नहीं है। आपकी तरह कई महिलाओं के ब्रेस्ट छोटे, ढीले या फिर ज्यादा बड़े होते हैं। वहीं कुछ महिलाओं के स्तन पर बाल भी पाए जाते हैं, जो कि पूरी तरह से सामान्य है। हालांकि कुछ महिलाओं को लगता है ब्रेस्ट ब्रा ना पहनने की वजह से ढीले हो जाते हैं, तो बता दें कि ऐसा बिलकुल भी नहीं है। जिन महिलाओं का वेट ज्यादा होता है या फिर जो महिलाएं बच्चे को स्तनपान करवा रही हैं, उन्हें ढीले ब्रेस्ट की समस्या हो सकती हैं। ऐसे में महिलाओं को ब्रेस्ट की बनावट की जगह उनकी सेहत पर ध्यान देना जरूरी होता है।

असमान्य लक्षणों को ना करें अनदेखा

अगर ब्रेस्ट डिस्चार्ज हो रहा है तो इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए। अगर संतरे के छध्लिके के रंग या स्कनि की तरह स्तन का रंग दिखे, तो ऐसी स्थिति में फौरन डॉक्टर से संपर्ख करना चाहिए। स्तन के हिस्से में लिम्फ नोड्स पाए जाते हैं, इसलिए किसी भी असामान्य गांठ को नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए। साथ ही इन असामान्य लक्षणों को अनदेखा ना करें–

गलत साइज की ब्रा

महलिाओं में एक बड़ी समस्ख्या गलत साइज की ब्रा पहनना भी पायी गई है। इसका सीधा असर ब्रेस्ट के स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए ज्यादा टाइट या ज्यादा ढीली ब्रा पहनने से बचना चाहिए। हांलाकि हर समय महिलाओं को ब्रा पहनने की जरूरत नहीं होती है। रात को महिलाओं को ब्रा हटाकर सोना चाहिए। इससे ब्रेस्ट को भी आराम मिलता है। साथ ही एक्सरसाइज आदि के दौरान महिलाओं को स्पोर्ट्स ब्रा पहननी चाहिए।

निप्पल पियर्सिंग

आज के समय में नप्पिल पयिर्सगि करवाने वाली महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसे एक तरह का फैशन माना जाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि बैक्टीरयिल इन्फेक्शन का खतरा पियर्सिंग के क्षेत्र में दोगुना होता है, इसलिए इससे बचकर रहना चाहिए। खून के जरिए बैक्टीरिया आपके ब्रेस्ट में जा सकते हैं और ब्रेस्ट में इंफेक्शन फैल सकता है। क्योंकि अगर पियर्सिंग की वजह से निप्पल में घाव या फोड़ा हो गया तो बच्चे को स्तनपान करवाने में भी तकलीफ होगी। इसलिए पयिर्सगि से बचना चाहष्यि।

साफ–सफाई का रखें ख्याल

ब्रेस्ट महिलाओं के शरीर का एक नाजुक हिस्सा होता है, जिसकी साफ–सफाई करना आपकी जिम्मेदारी भी है।

इसलिए नहाने के दौरान हर रोज माइल्ड साबुन और पानी की मदद से ब्रेस्ट की त्वचा को साफ करना चाहिए।

डीसी कुलगाम ने प्रमुख सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की

अधिकारियों को सभी योजनाओं और कार्यक्रमों का 100 प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

tEe yík[k fotu C;jk

कुलगामः डिप्टी कमिश्नर (डीसी) कुलगाम , अतहर आमिर खान ने आज विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें कई प्रमुख सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की गई ।

समीक्षा में प्रधान सहित कई पहलों को शामिल किया गया मंत्री आवास योजना–ग्रामीण प्रधान मंत्री आवास योजना –शहरी (पीएमएवाई–यू), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बैंक लिंकेज लक्ष्य, व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (आईएचएचएल) का निर्माण, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत वार्षिक टीकाकरण, एबीएचए आईडी पीढ़ी, संस्थागत प्रसव और जननी सुरक्षा योजना (जेएसएस) के तहत वार्षिक टीकाकरण, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत वार्षिक टीकाकरण, एबीएचए आईडी पीढ़ी, संस्थागत प्रसव और जननी सुरक्षा योजना (एनएसएस) के तहत वार्षिक टीकाकरण, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत वार्षिक टीकाकरण , एनएसएस ... राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत वार्षिक टीकाकरण, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत वार्षिक टीकाकरण, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडी सुरक्षा योजना . इसके अलावा, डीसी ने कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन, लाभार्थियों के लिए पासबुक निर्माण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और गैर–प्राथमिकता वाले घरेलू (एनपीएचएच) श्रेणियों के तहत कवरेज के साथ–साथ पीएम कुसुम, पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई), समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) और पीएम सूर्य घर जैसी योजनाओं की प्रगति का आकलन किया।

मुफ़्त बिजली योजना . डीसी ने सभी योजनाओं और कार्यक्रमों में 100 प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने पर जोर दिया । उन्होंने अधिकारियों को प्रयास तेज करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी पात्र लाभार्थी छूट न जाए। कुशल कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए अंतर–विभागीय सहयोग, समय पर रिपोर्टिंग और कठोर निगरानी के महत्व को भी रेखांकित किया गया। बैठक में संयुक्त निदेशक नियोजन जाहिद उपस्थित थे सज्जाद , सहायक आयुक्त विकास सैयद नसीर , सहायक आयुक्त राजस्व मुश्ताक अहमद लोन, कार्यकारी अभियंता और विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जाविद डार ने कुपवाड़ा के कुलंगम में अखरोट अनुसंधान पर उत्कृष्टता केंद्र की आधारशिला रखी

बेहतर आर्थिक विकास के लिए अखरोट उत्पादन को संगठित खेती बनाने की वकालत

tEe yík[k fotu C;jk

कुपवाड़ाः अखरोट अनुसंधान और उत्पादन को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री जाविद अहमद डार ने आज कुपवाड़ा के कुलंगम में अखरोट अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र के प्रशासनिक सह प्रयोगशाला ब्लॉक की आधारशिला रखी ।

यह केंद्र, नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित ैज्ञनौज–ज्ञ की एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अखरोट उत्पादन, उच्च तकनीक प्रसंस्करण और पैकेजिंग को बढ़ावा देना है। 3. 50 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के साथ, यह जर्म प्लाज्मा के भंडार, वैज्ञानिक सूचना केंद्र और मानव संसाधन विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करेगा ।

जाविद डार, जो सहकारिता और चुनाव मंत्री भी हैं, ने केंद्र की शुरुआत करने के लिए ैज्ञनौज–ज्ञ की सराहना की, जिससे उत्तरी कश्मीर के निवा. सियों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने ैज्ञनौज संकाय के किसानों से जुड़ने के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ष्अधिका. रियों की तुलना में खेतों में किसानों की तरह अधिक बनें।ष

मंत्री ने कृषि अनुसंधान, शिक्षा और ग्रामीण विकास के लिए एसकेयूएएसटी–के के योगदान की सराहना की, नवाचारों को बढ़ावा देने, किसान कल्याण का समर्थन करने और कृषि, बागवानी और फूलों की खेती को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसानों के बेहतर उत्पादन और आर्थिक विकास के लिए अखरोट उत्पादन को संगठित खेती के रूप में बनाने की आवश्यकता है।

जाविद डार ने गणमान्य व्यक्तियों के साथ परियोजना स्थल का निरीक्षण किया, जिसमें अखरोट प्रसंस्करण इकाई और गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। उन्होंने किसानों से बातचीत भी की और उनकी चिंताओं को सुना। उन्होंने स्थानीय उपज और ैज्ञनौज–ज्ञ की पहलों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र से अखरोट उत्पादन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जिससे विभिन्न प्रकार के किसानों को लाभ मिलेगा।

उत्कृष्टता केंद्र के लिए 200 कनाल भूमि आवंटित करने के लिए जिला प्रशासन की सराहना की ।

एसकेयूएएसटी–के के कुल. पति प्रो. नजीर अहमद गनई ने अपने संबोधन में कहा कि अखरोट के लिए उत्कृष्टता केंद्र कई प्रमुख कार्यों पर ध्यान केंद्रित करेगा, खासकर कृषि नवाचार, अनुसंधान और ज्ञान प्रसार के क्षेत्रों में, जो वैज्ञानिक और व्यावहारिक नवाचारों के माध्यम से उत्पादकता, आर्थिक स्थिरता और अखरोट उद्योग के समग्र विकास में सुधार करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाली अखरोट की पौध सामग्री, व्यवस्थित अखरोट के बगीचे, मध्यम आकार के पौधे और मशीनीकृत कटाई के बाद प्रबंधन तकनीक इस प्रयोगशाला के माध्यम से किसानों को हस्तांतरित की जाएगी।

मंत्री ने स्टालों का निरीक्षण भी किया तथा किसानों और एसकेयूएएसटी (के) संकाय के साथ बातचीत भी की।

जाविद डार ने किसानों से बातचीत भी की और उनकी शिकायतें सुनीं।

डीआईपीआर शोपियां और जेएंडके माराज़ कामराज़ अकादमी द्वारा एक दिवसीय साहित्य सम्मेलन का आयोजन

मुशायरा और पेपर रीडिंग सत्रों के साथ कश्मीर की समृद्ध और जीवंत साहित्यिक विरासत का जश्न मनाया गया

tEe yík[k fotu C;jk

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) शोपियां और जेएंडके माराज द्वारा संयुक्त रूप से जीडीसी, शोपियां में आज एक दिवसीय साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कामराज़ अकादमी.

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कश्मीर की साहित्यिक जीवंतता का सम्मान और उत्सव मनाना तथा युवा पीढ़ी को कहानी कहने, कविता और लेखन के प्रति प्रेरित करना था।

सम्मेलन में शोपियां के विधायक शब्बीर अहमद कुल्लाय , कुलगाम के विधायक मोहम्मद यूसुफ भी उपस्थित थे। तारिगामी ; डीसी शोपियां , मोहम्मद शाहिद सलीम डार; एडीसी शोपियां , डॉ. जाकिर हुसैन फाज़ ; एसीआर, सीईओ, डिप्टी डीईओ, डीआईओ और सूचना विभाग और अकादमी के अन्य अधिकारी। जिले के भीतर और बाहर से कवि, पत्रकार, कलाकार और छात्र भी इसमें शामिल हुए, जिससे यह एक विविधतापूर्ण और आकर्षक साहित्यिक सम्मेलन बन गया। उद्घाटन सत्र के दौरान, विच. ारोत्तेजक शोधपत्र वाचन सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें कश्मीरी साहित्य की गहराई और विविधता पर प्रकाश डाला गया।

इसके बाद आयोजित मुशायरा सत्र में जिले और बाहर से आए 20 से अधिक प्रसिद्ध कवियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी समृद्ध कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने संबोधन में कुलगाम के विधायक मोहम्मद यूसुफ ने कहा कि... तारिगामी ने कश्मीर के समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक इतिहास पर जोर दिया, जिसमें प्राचीन संस्कृत जड़ों से लेकर फारसी युग तक का इतिहास बताया गया। उन्होंने कहा कि कश्मीर की विरासत, जो 5,000 वर्षों से भी अधिक पुरानी है, समकालीन साहित्यिक अभिव्यक्तियों को प्रेरित करती रहती है। उन्होंने उपस्थित लोगों से इस विरासत को युवा पीढ़ी को साहित्य की ओर प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया और कश्मीरी समाज के भीतर विविधता में एकता का आह्वान किया। विधायक शोपियां शब्बीर अहमद कुल्ले ने समाज के दर्पण के रूप में साहित्य की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा समुदाय के लोकाचार को प्रति. बिंबित करने और उसे आकार देने में काव्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया।

शोपियां ने कविता के सामा. जिक प्रभाव पर विचार करते हुए कहा कि कविता के विज्ञान ने सभी बाधाओं को पार कर लिया है और समाज की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कवियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे श्समाज के वैज्ञानिकश हैं जो जनता की आंतरिक भावनाओं को आवाज़ देते हैं। उन्होंने छात्रों को कविता या गद्य के माध्यम से शब्द शिल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया और सामाजिक मूल्यों और संस्कृति को आकार देने में कवियों के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया।

यह सम्मेलन एक शानदार सफलता थी, जिसमें कश्मीरी साहित्य की कालातीत विरासत का जश्न मनाया गया तथा क्षेत्र के बौद्धिक और सांस्कृतिक ताने–बाने को पोषित करने में इसकी भूमिका की पुनः पुष्टि की गई।

राजौरी में यातायात को सुचारू बनाने और सुविधाएं बढ़ाने की योजना पर चर्चा की

tEe yík[k fotu C;jk

राजौरीः उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने शनिवार को जीएमसी राजौरी के आसपास सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में यातायात नियमों को संबोधित करने के लिए प्रमुख अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की ।

सलानी और खेओरा से शहर के प्रवेश द्वार जैसे प्रमुख स्थानों के पास यातायात को सुव्यवस्थित करने पर जोर दिया गया।

भीड़भाड़ कम करने की योजना के तहत डीसी ने बेला बस स्टैंड पर भारी बसों को प्रतिबंधित करने और दोपहिया वाहनों के लिए समर्पित पार्किंग क्षेत्र बनाने का निर्देश दिया।

उन्होंने आदेश दिया कि षकिसी भी भारी मोटर वाहन को शहर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, और उल्लंघन के मामले में परमिट रद्द कर दिए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, सिटी थाने के पास पैदल यात्री क्षेत्र और आग की आपात स्थिति के लिए एक निर्दिष्ट खुला स्थान स्थापित किया जाएगा।

निर्बाध प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए, डीसी ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वित प्रयासों पर जोर दिया।

बैठक के बाद, उन्होंने सुधारों की देखरेख के लिए जीएमसी राजौरी का दौरा किया और बेहतर पार्किंग प्रबंधन के लिए निर्देश जारी किए।

जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए वाहन स्टिकर जारी करने तथा अस्पताल में प्रवेश और पार्किंग को सुव्यवस्थित करने के लिए कहा गया है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि ष्तीन अलग–अलग श्रेणियों के लिए पार्किंग क्षेत्र बनाए जाएंगे, एक डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों के लिए, दूसरा एम्बुलेंस के लिए और तीसरा आम जनता के लिए।

इसके अलावा, अस्पताल परिसर के अंदर और आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और किसी भी अज्ञात वाहन को टो किया जाएगा।

निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को भी मरीजों के वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था करने की सलाह दी गई।

शहर के भीतर यातायात को सुचारू बनाने के लिए, ईओ नगर पालिका को निर्देश दिया गया कि वे विक्रेताओं को अस्पताल और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के पास यातायात को बाधित करने वाले अस्थायी ढांचे स्थापित करने से रोकें। इसके अति. रिक्त, ईओ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि रुकावटों को रोकने के लिए सभी खुली नालियों को ग्रिल से ढक दिया जाए।

एआरटीओ को ई–रिक्शा के लिए निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्र सुनिश्चित करने, व्यवस्था और पहुंच में सुधार करने को कहा गया।

इसके अलावा अस्पताल प्रशासन को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आपदा वार्ड बनाने के निर्देश दिए गए।

साथ ही लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को सड़क की स्थिति सुधारने के लिए गड्ढों की शीघ्र मरम्मत करने के निर्देश दिए गए।

बैठक और दौरे में एसएसपी रणदीप कुमार, डिप्टी एसपी सतीश शर्मा, ईओ नगर पालिका, एसएचओ, डीटीआई और अन्य अधिकारी शामिल हुए, जो निर्देशों के गहन निरीक्षण के लिए जीएमसी राजौरी में डीसी राजौरी के साथ शामिल हुए।

सीएम उमर ने राजकोषीय सुधारों और भारत सरकार से अधिक वित्त पोषण की पहल पर जोर दिया

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज यहां सिविल सचिवालय में वित्त विभाग के कामकाज और प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी; मुख्य सचिव, अटल डुल्लू; मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रमुख सचिव वित्त और वित्त विभाग के विभिन्न प्रभागों के प्रमुख।

वित्त विभाग के प्रधान सचिव ने बजटीय प्रवृत्तियों, राजकोषीय चुनौतियों और चल रहे सुधारों पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) पर ध्यान केंद्रित करने और राजस्व वसूली में सुधार की सराहना करते हुए कहा कि चालू वर्ष के दौरान विभिन्न सीएसएस के तहत भारत सरकार से सीएसएस फंड की प्राप्ति 10300 करोड़ रुपये है, जबकि 2022–23 और 2021–22 के दौरान क्रमशः 6386 करोड़ रुपये और 5997 करोड़ रुपये थे।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अनुकूल साझाकरण पैटर्न को देखते हुए सी.एस.एस. का अधिकाधिक उपयोग सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रशासनिक सचिवों/विभागाध्यक्षों द्वारा कड़ी निगरानी, कार्यान्वयन की गति को बढ़ाना और केंद्र तथा केंद्र शासित प्रदेशों के हिस्से को समय पर जारी करके इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उन्होंने प्रशासनिक विभागों द्वारा सी. एस.एस. से संबंधित मुद्दों पर संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने गैर–प्राथमिकता वाले व्यय पर अंकुश लगाने, उच्च पूंजीगत व्यय के लिए स्थान बनाने हेतु कर राजस्व बढ़ाने के उपायों का उल्लेख किया।

उन्होंने सभी विभागों द्वारा पूंजीगत व्यय में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्ति करनी होगी।

उन्होंने वित्त विभाग को यूटी का हिस्सा प्राथमिकता के आधार पर जारी करने की सलाह दी। हालांकि जीएसटी संग्रह में सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और सुधार की गुंजाइश है।

डीएलएसए अनंतनाग ने कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

tEe yík[k fotu C;jk

अनंतनाग : सुरक्षित कार्यस्थलों को बढ़ावा देने और यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) अनंतनाग ने डाक बंगला, अनंतनाग में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013 (पीओएसएच) अधिनियम पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों जैसे कानूनी, शैक्षिक, चिकित्सा और सामाजिक कल्याण क्षेत्रों के सदस्यों ने च्ै अधिनियम के महत्व और कार्यान्वयन पर चर्चा की।

मसरत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंतनाग रूही ने च्ै अधिनियम के ढांचे को सुदृढ़ बनाने में न्यायपालिका की भूमिका पर जोर दिया और संगठनों से ऐसी नीतियां अपनाने का आग्रह किया जो उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता को प्रतिबिंबित करती हों।

उन्होंने पीड़ितों को सहायता देने के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला तथा सभी विभागों को पारदर्शिता और जवाबदे. ही के साथ कानून को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया, तथा यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक कार्यस्थल पर च्ै अधिनियम के सिद्धांतों का पालन किया जाए।

इससे पहले, कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य कानूनी सहायता रक्षा वकील (एलएडीसी) जाकिर के स्वागत भाषण से हुई। हुसैन लोन ने च्ै अधिनियम के बारे में जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कार्यस्थलों पर सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सम्मान और गरिमा बनी रहे, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नियोक्ता और कर्मचारी दोनों को उत्पीड़न–मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

कार्यक्रम को जिला बाल संरक्षण इकाई की विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी सना मजीद , मुख्य शिक्षा अधिकारी, सचिव डीएलएसए अनंतनाग और जिला समाज कल्याण अधिकारी ने भी संबोधित किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024: एसीबी, बांदीपोरा प्रशासन ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन की वकालत की

tEe yík[k fotu C;jk

बांदीपोरा : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जम्मू–कश्मीर और जिला प्रशासन बांदीपोरा ने सोमवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के शुभारंभ के अवसर पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका विषय था श्राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृतिश।

इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों के साथ–साथ विभिन्न सरकारी कार्यालयों और संस्थानों के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा एसीआर बांदीपोरा भी शामिल हुए। शब्बीर अहमद वानी , सीपीओ (बीकेबी) फैयाज अहमद शालबाफ और एसीबी टीम के अधिकारी शामिल थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य सभी हितधारकों को भ्रष्टाचार को रोकने और उससे लड़ने में सामूहिक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना, इसके कारणों, गंभीरता और इससे उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम के तहत पूरे दिन कई कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें सार्वजनिक जीवन में सतर्कता और ईमानदारी पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन की वकालत की।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पहले दिन शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जिले भर के कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली।

मुख्य समारोह मिनी सचिवालय बांदीपुरा में आयोजित किया गया , जहाँ एसीआर बांदीपुरा ने प्रतिभागियों को ईमानदारी की शपथ दिलाई। सभी उपस्थित लोगों ने भ्रष्टाचार को मिटाने, इसके सभी रूपों का विरोध करने और ईमानदारी और निष्ठा की संस्कृ ति को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की शपथ ली।

शपथ के दौरान, प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि भ्रष्टाचार देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में एक बड़ी बाधा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्र सहित सभी हितधारकों को मिलकर काम करना चाहिए।

उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व करने की अपनी जिम्मेदारी को भी स्वीकार किया तथा भ्रष्ट आचरण में संलिप्तता से बचने तथा भ्रष्टाचार के मामलों से अत्यंत सख्ती से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों, निष्ठा ढांचे तथा आचार संहिता को लागू करने के महत्व पर बल दिया।

इस कार्यक्रम में एसीबी के अधिकारियों द्वारा संचालित ज्ञानवर्धक सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किए और सतर्कता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई, तथा प्रतिभागियों को पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों क्षेत्रों में ईमानदारी बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

सुम्बल उपमंडल में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) बांदीपोरा जफर हसन शॉल ने एसडीएम कार्यालय सुम्बल में अधिकारियों और कर्मचारियों को ईमानदारी की शपथ दिलाई और उनके काम में पारदर्शिता की वकालत की।

बांदीपुरा जिले के सरकारी कार्यालयों, सरकारी डिग्री कॉलेजों, बैंक शाखाओं, स्कूलों और अन्य संस्थानों में भी इसी प्रकार की सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई गई ।

जिले भर में एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रमों और गति. विधियों की श्रृंखला जारी रहेगी, जो विभिन्न सरकारी कार्यालयों और संस्थानों तक पहुंचेगी, जिसका उद्देश्य समुदाय के भीतर सतर्कता और नैतिक व्यवहार की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

अनंतनाग में ईमानदारी शपथ समारोह के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 की शुरूआत

tEe yík[k fotu C;jk

अनंतनाग : सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2024 आज अनंतनाग में शुरू हुआ , जिसका मुख्य समारोह उपायुक्त कार्यालय में आयोजित किया गया। मुख्य समारोह में जिला एवं क्षेत्रीय अधिक. ारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। शपथ का उद्देश्य अधिकारियों को संचालन के सभी पहलुओं में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और सुशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है। इस सप्ताह को 'विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत' थीम के साथ मनाया जाएगा। समारोह का मुख्य ध्यान निवारक सतर्कता सह आंतरिक गृह व्यवस्था गतिविधियों और भ्रष्टाचार के खतरों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने, सहभागी सतर्कता की सच्ची भावना को विकसित करने और लंबित सतर्कता मामलों के निपटान के लिए विशेष मंजूरी अभियान चलाने पर होगा।

सतर्कता सप्ताह जनता के विश्वास को मजबूत करने और उत्तरदायी शासन सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

एसीबी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने के लिए आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया

वक्ताओं ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए अंतरविभागीय समन्वय और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : देश भर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के पालन के अनुरूप, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जम्मू–कश्मीर ने आज यहां एक व्यापक आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया। सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान का विषय श्राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृतिश है, जिसका उद्देश्य पूरे केंद्र शासित प्रदेश में पारदर्शिता बढ़ाना, नैतिक शासन को सुदृढ़ बनाना और भ्रष्टाचार से निपटना है। आज के कार्यक्रम में दो सत्र अलग–अलग स्थानों पर आयोजित किए गए। सुबह का सत्र श्रीनगर के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (आईएमपीए) में आयोजित किया गया, जबकि दोपहर का सत्र श्रीनगर के यूएलबी कार्यालय में आयोजित किया गया। दोनों सत्र वर्चुअली आपस में जुड़े हुए थे, जिससे जम्मू और कश्मीर के सभी जिलों के मुख्यालयों तक व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। पूर्वाह्न सत्र में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी), विकास प्राधिकरणों और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की भागीदारी देखी गई। इसमें मुख्य स्थल और कुपवाड़ा, बांदीपोरा, बारामुल्ला, गंदेरबल, बडगाम, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, अनंतनाग और जम्मू सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर आम जनता ने भाग लिया। सत्र की शुरुआत एसीबी के निदेशक शक्ति कुमार पाठक के उद्घाटन भाषण से हुई, जिन्होंने जम्मू और कश्मीर में भ्रष्टाचार को खत्म करने और पारदर्शी शासन ढांचे को बढ़ावा देने में सार्वजनिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जम्मू और कश्मीर की पहलों पर एक वृत्तचित्र का लोकार्पण था, जिसमें जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों और रणनीतियों को दर्शाया गया था। इसके अलावा, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, आयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन संजीव वर्मा और निदेशक एसीबी सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों के संदेश प्रदर्शित किए गए, जिनमें शासन में ईमानदारी के महत्व पर बल दिया गया। इस कार्यक्रम में मोबाइल ऐप का उपयोग करते हुए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने यूएलबी द्वारा सेवा वितरण में चुनौतियों की पहचान करने के उद्देश्य से लक्षित प्रश्नों के उत्तर दिए। इस अभ्यास ने उन क्षेत्रों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की, जहाँ सार्वजनिक सेवाओं तक समय पर और कुशल पहुँच सुनिश्चित करने के लिए सुधार की आवश्यकता है। इस बातचीत में 1000 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया। विशिष्ट वक्ता और मुख्य अतिथि, सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति तारिक नक्शबंदी और विशिष्ट अतिथि, पूर्व मुख्य नगर नियोजक इफ्तिखार अहमद, पूर्व प्राचार्य आरईसी श्रीनगर बरकत हुसैन ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अंतर–विभागीय समन्वय और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। एसएसपी एसीबी डॉ. जहूर अहमद वानी और कार्यकारी अभियंता एसीबी एजाज मसूद सहित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो श्रीनगर के अधिकारियों ने भ्रष्टाचार से ग्रस्त क्षेत्रों से निपटने के उपायों और सुधारात्मक और दंडात्मक उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने में जांच तकनीकों की भूमिका पर चर्चा की। दोपहर का सत्र यूएलबी और संबंधित विभागों के कर्मचारियों के लिए समर्पित था, जो एसएमसी, एसडीए, एलसीएमए, एचडी, यूईईडी और आईएंडएफसी मुख्यालय सहित विभिन्न जुड़े स्थानों पर आयोजित किया गया था। इस सत्र में इंटरैक्टिव दृष्टिकोण जारी रहा, जागरूकता का आकलन करने और भ्रष्टाचार विरोधी पहलों को बेहतर बनाने के लिए सुझाव एकत्र करने के लिए "काहूट ऐप" पर प्रश्नावली के माध्यम से प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया मांगी गई।

लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का उन्नयन सुनिश्चित करें: सकीना मसूद ने अधिकारियों से कहा

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के प्रदर्शन एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई

अटैचमेंट तुरंत रद्द करने और समय से पहले स्थानांतरण चाहने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण, शिक्षा मंत्री सकीना मसूद ने आज अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी अस्पतालों में मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं को उन्नत करना सुनिश्चित करें।

मंत्री ने ये टिप्पणियां यहां बैंक्वेट हॉल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा (एचएण्डएमई) विभाग के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कीं।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, आयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सीईओ राज्य स्वास्थ्य एजेंसी, इंजी. नियर इन चीफ जेएंडके, निदेशक एसकेआईएमएस, निदेशक स्वास्थ्य जम्मू/कश्मीर, निदेशक समन्वय नए मेडिकल कॉलेज, एमडी एनएचएम, निदेशक आयुष, एमडी जेकेएमएससीएल, सचिव तकनीकी एचएंडएमई, निदेशक वित्त एचएंडएमई, निदेशक परिवार कल्याण, एमसीएच और टीकाकरण, राज्य औषधि नियंत्रक, सभी जीएमसी के प्रिंसिपल, प्रिंसिपल डेंटल कॉलेज श्रीनगर, प्रिंसिपल इंदिरा गांधी डेंटल कॉलेज जम्मू और एचएंडएमई विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान, मंत्री ने जम्मू–कश्मीर में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के उद्देश्य से चल रही पहलों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर विभाग के प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन किया।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए सकीना मसूद ने अधिकारियों से कहा कि वे लोगों की ज़रूरतों के हिसाब से स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाएँ। उन्होंने अधिकारियों से लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए विभाग में जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखने पर ज़ोर दिया।

विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सकीना मसूद ने अधिकारियों से कहा कि वे इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करें क्योंकि ये परियोजनाएं यहां के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति लाएगी, न कि कोई नई परियोजना शुरू करने की। उन्होंने अधिकारियों को चिकित्सा क्षेत्र में आवश्यक मानदंडों के अनुसार कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए।

सकीना इटू ने कहा, ष्हमारे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैष् उन्होंने कहा कि हमें एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए जो हमारे लोगों की जरूरतों के लिए सुलभ, कुशल और उत्तरदायी हो। उन्होंने दोनों निदेशकों को 102 और 108 एम्बुलेंस सेवाओं के साथ–साथ 104 हेल्पलाइन सेवा के बारे में आईईसी गतिविधियों का आयोजन करने की सलाह दी, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, ताकि लोगों में अधिकतम जागरूकता पैदा की जा सके।

उन्होंने सभी अधिकारियों और अन्य संबंधित हितधारकों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और आने वाली किसी भी चुनौती का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी प्रिंसिपला. और दोनों निदेशकों से जिला और उप–जिला अस्पतालों से श्रीनगर में नियमित रेफरल कम करने को कहा। उन्होंने उन्हें आपातकालीन मामलों के बजाय नियमित रोगियों को श्रीनगर रेफर करने वाले अस्पताल प्रशासन पर जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य क्षेत्र के अन्य पहलुओं की समीक्षा करते हुए, मंत्री ने अधिकारियों से श्रीनगर के अस्पतालों की ओर मरीजों के प्रवाह को कम करने के लिए सभी जिला और उप–जिला अस्पतालों में सुविधाओं को उन्नत करने का आह्वान किया।

उन्होंने सभी प्रिंसिपलों और निद. शकों से अपने–अपने स्वास्थ्य संस्थानों में सभी परीक्षण सुविधाओं का ऑडिट करने और दरों को तय करने के मुद्दे को हल करने के लिए निजी डायग्नोस्टिक और लैब परीक्षण केंद्रा. की नियमित जांच करने का आह्वान किया। उन्होंने उन्हें अपने–अपने स्वास्थ्य केंद्रों में बेची जा रही नकली दवाओं की जांच के लिए एक ठोस तंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट करने और कुछ हफ़्तों के भीतर इसकी रिपोर्ट पेश करने के लिए भी कहा। विभाग के मानव संसाधन मुद्दों की समीक्षा करते हुए, मंत्री ने अधिकारियों से सभी रिक्त पदों को तुरंत भर्ती एजेंसियों को भेजने का आह्वान किया ताकि जम्मू–कश्मीर के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक स्टाफ और चिकित्सा पेशेवर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने सचिव स्वास्थ्य को उचित स्थानांतरण नीति बनाने तथा अनुचित समयपूर्व स्थानांतरण चाहने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सचिव स्वास्थ्य को पिछले कुछ वर्षों में किए गए सभी डॉक्टरों के अटैचमेंट रद्द करने तथा उन्हें उन क्षेत्रों में समायोजित करने के भी निर्देश दिए, जहां डॉक्टरों की तत्काल आवश्यकता है।

बैठक के दौरान सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने विभाग के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

बागवानी विभाग जम्मू ने महिला किसानों के एक्सपोजर दौरे को हरी झंडी दिखाई

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : बागवानी निदेशक जम्मू सी.एल. शर्मा ने महिला किसानों को बागवानी खेती से आशाजनक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक एक्सपोजर यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

एक स्थान पर रहने वाले किसानों को दूसरे स्थान पर रहने वाले अपने समकक्षों के साथ अच्छी कृषि पद्धतियों का आदान–प्रदान करने और साझा करने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रदर्शन दौरे आयोजित किए जाते हैं।

बागवानी निदेशक ने महिला किसानों से बातचीत करते हुए उन्हें विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उन्हें स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाने के लिए कहा और आश्वासन दिया कि विभाग उन्हें सब्सिडी वाली लागत पर फल और सब्जी उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित करने में सहायता करेगा। उन्होंने कहा, ष्ऐसे उद्यम उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगे और परिवार की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।ष

निदेशक ने कहा कि विभाग में इच्छुक व्यक्तियों को फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण की कला में उनके घर–द्वार पर प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रावधान है, ताकि इसे मूल्यवर्धित उत्पादों जैसे जैम, अचार, प्रिजर्व, कैंडी, सॉस, स्क्वैश, जैली आदि में परिवर्तित किया जा सके।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि विभाग महिला उद्यमियों को विभागीय सुविधा केंद्रों और सहकारी स्टोरों में अपने उत्पाद बेचने में सुविधा प्रदान करेगा।

बातचीत के दौरान महिला किसानों ने कई प्रश्न पूछे, जिनका बागवानी निदेशक ने संतोषजनक ढंग से समाधान किया।

70 से अधिक महिला किसानों के एक्सपोजर दौरे को बागवानी निदेशक ने संयुक्त निदेशक विकास आनंद, मुख्य बाग. वानी अधिकारी राकेश कोतवाल, डीएलएसएमएस जम्मू संदीप गुप्ता और विभाग के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई।

प्रदर्शन भ्रमण के दौरान महिला किसाना. ने गाजियान और मोर्चापुर में स्ट्रॉबेरी बागान फार्म, संरक्षित खेती संरचनाओं, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, जियो–टैंकों आदि का दौरा किया।

उपमुख्यमंत्री विश्वकर्मा में शामिल हुए कटरा में दिवस

tEe yík[k fotu C;jk

कटराः उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी , जो श्रम एवं रोजगार विभाग का भी प्रभार संभालते हैं , ने विश्वकर्मा जयंती मनाई।

कटरा में विश्वकर्मा मंदिर में दिवस । मजदूर संगठन द्वारा आयोजित दस्तकार यूनियन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कारीगरों और मजदूरों के पूज्य देवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा की गई ।

उपमुख्यमंत्री ने सभी को शुभकामनाएं दीं तथा श्रमबल के उत्थान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया । अपने भाषण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मजदूरों का कल्याण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए केंद्रित प्रयासों का वादा किया कि उनकी ज़रूरतों और चिंताओं को संबोधित किया जाए, और मजदूर समुदाय की सुरक्षा और समर्थन के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण की वकालत की।

सुरिंदर चौधरी ने स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार सृजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को उजागर किया और वादा किया कि क्षेत्र में आने वाली परियोजनाओं और उद्योगों में स्थानीय लोगों को काम पर रखने को प्राथमिकता दी जाएगी ।

डीएमएफटी ने शोपियां में वार्षिक योजना को मंजूरी दी

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वाचनालय को प्राथमिकता दी गई, अवैध खनन की जांच के लिए सीसीटीवी, कटर और अन्य उपकरणों की खरीद के लिए धनराशि स्वीकृत की गई।

tEe yík[k fotu C;jk

शोपियां : प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेकेवाई) के तहत जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की बैठक आज शोपियां में आयोजित की गई ताकि जिले में गतिविधियों की वार्षिक योजना के लिए धन के उपयोग को मंजूरी दी जा सके।

बैठक की अध्यक्षता जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) शोपियां मोहम्मद शाहिद सलीम डार ने की।

बैठक के दौरान समिति ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए बीएचएसएस शोपियां में पुस्तकालय की स्थापना को मंजूरी दी। पुस्तकालय में पुस्तकालय संसाधनों की सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो वाचनालय होंगे।

समिति ने खनन गतिविधियों पर दिन–रात निगरानी रखने तथा खनन के मुख्य क्षेत्रों में अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए सीसीटीवी और कटर लगाने को भी मंजूरी दी।

इस कोष में शिक्षा, सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, सिंचाई, वाटरशेड विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस अवसर पर डीडीसी ने पूर्व इंजीनियर आरएंडबी को पुस्तकालय कार्य का तत्काल आकलन करने के निर्देश दिए और कहा कि यह छात्रों की शिक्षा और कैरियर विकास के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन होगा।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष के दौरान इन निधियों के माध्यम से जिले के खनन प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न अन्य विकास एवं कल्याणकारी गतिविधियां चलाई जाएंगी।

इसके अलावा, पर्यावरण और स्वास्थ्य पर खनन के प्रतिकूल प्रभाव को न्यूनतम करने के प्रयास किए जाएंगे, डीसी ने कहा।

श्रीनगर के सरकारी कला एम्पोरियम में कश्मीरी संस्कृति पर आधारित कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगरः कश्मीर के हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग द्वारा श्रीनगर के सरकारी कला एम्पोरियम में आयोजित तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी में कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को केंद्र में रखा गया।

यूसुफ की जीवंत कलात्मकता का जश्न मनाती है नक्शबंदी , अपने पारंपरिक कला रूपों, रीति–रिवाजों और प्राकृतिक सौंदर्य के माध्यम से कश्मीरी संस्कृति के सार की एक अनूठी झलक प्रदान करता है।

नक्शबंदी का काम कश्मीर को उसके रीति–रिवाजों, सुलेख और क्षेत्र की विशिष्ट वनस्पतियों और जीवों के अंतरंग चित्रण के साथ जीवंत कर देता है।

जीडीसी महिला, अनंतनाग में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया

tEe yík[k fotu C;jk

अनंतनाग : राजकीय महिला डिग्री कॉलेज (जीडीसी) अनंतनाग के नशा मुक्ति प्रकोष्ठ ने जिला पुलिस अनंतनाग के सहयोग से यहां श्नशा मुक्त भारत अभियानश विषय के अंतर्गत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जीडीसीडब्ल्यू अनंतनाग के प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) मसूद अहमद मलिक के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में एसपी ऑपरेशन फुरकान, डीएसपी डीएआर अनंतनाग, रउफ अहमद, डीएसपी मुख्यालय अनंतनाग, एम अयूब, आई/ सहित कई प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया। सी सेवरा ग़. मोहम्मद, ड्रग डी–एडिक्शन सेल अनंतनाग से डॉ. मुदासिरा, कॉलेज और विभिन्न अन्य शैक्षणिक संस्थानों के संकाय सदस्यों के साथ। प्रोफेसर मसूद मलिक ने भी श्रोताओं को संबो. धित किया तथा मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में इस कार्यक्रम के महत्व पर बल दिया। इससे पहले, कार्यक्रम की शुरुआत मनोविज्ञान के सहायक प्रोफेसर प्रो. शम्सुल दीन द्वारा दिलाई गई श्एकता दिवसश शपथ के साथ हुई, जिसके बाद अयूब और डॉ. मुदासिरा ने भाषण दिया। इसके बाद विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न गतिविधियां और प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए, जिससे कार्यक्रम की थीम नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देने में योगदान मिला। प्रोफेसर शम्सुल दीन और प्रोफेसर आरिफ हुसैन वानी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रथम स्थान ऑक्सफोर्ड स्कूल के छात्रों ने प्राप्त किया, जबकि दूसरा और तीसरा स्थान क्रमशः रेडिएंट पब्लिक स्कूल और पुलिस पब्लिक स्कूल को मिला।

अंत में, कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान को मान्यता देते हुए सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

विधायक पंपोर ने क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ की बैठक

tEe yík[k fotu C;jk

पुलवामा : पंपोर विधानसभा के सदस्य (एमएलए) न्यायमूर्ति हसनैन मसूदी ने गुरुवार को सर्किट हॉल, पुलवामा में जिला और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ एक व्यापक परिचयात्मक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया गया तथा जिले भर में क्षेत्र–विशिष्ट उपलब्धियों की जांच की गई।

बैठक में निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न चिकित्सा और पैरामेडिकल क्षेत्रों में जनशक्ति की स्थिति सहित स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों पर चर्चा की गई। न्यायमूर्ति मसूदी ने सुविधाओं के विस्तार के लिए चल रही योजनाओं पर संतोष व्यक्त किया।

शिक्षा क्षेत्र में, विधायक ने संतोषजनक नामांकन अनुपात, बालिका शिक्षा पर प्रकाश डाला और सभी शिक्षा संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और पहुंच पर जोर दिया। उन्हें आगाज़ लैब्स, अटल टिंकरिंग लैब्स और विभिन्न अन्य छात्रवृत्ति जैसी विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी दी गई।

एसीडी ने पंचायतों में ग्रामीण विकास पहला. पर अद्यतन जानकारी दी, जहाँ दो सौ से अधिक मनरेगा परियोजनाओं ने पूर्ण व्यय प्राप्त किया है, जिससे बुनियादी ढाँचे और सामुदायिक सेवाओं में योगदान मिला है। पीएमएवाई–जी योजना के तहत सौ से अधिक घरों को मंजूरी दी गई है, तथा किस्तों के वितरण में प्रगति देखी गई है।

पंपोर नगर समिति ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, खाद गड्ढे स्थापित करने और पंपोर और खेव में सौंदर्यीकरण परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त तकनीकी और कार्यकारी कर्मचारियों की मांग की। योजनाओं में एक विवाह हॉल/सामुदायिक केंद्र का निर्माण, स्ट्रीट लाइटिंग का नवीनीकरण और अक्षय ऊर्जा से संचालित हाई–मास लाइट की स्थापना शामिल है।

केसर मिशन के तहत उच्च घनत्व वाले बाग. वानी रोपण और पहलों की समीक्षा की गई। कीटनाशक विनियमन के लिए परीक्षण सुविधाएं प्रदान करने और किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के प्रयासों पर चर्चा की गई, जिसमें फसल की पैदावार में सुधार और केसर की गुणवत्ता की रक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

विधायक को पंपोर में औद्योगिक क्षेत्र में बिजली और पानी की आपूर्ति की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। व्यावसायिक संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए कनेक्टिविटी में सुधार की योजनाओं को प्राथमिकता दी गई।

बैठक के दौरान जिला अधिकारियों ने पशुपालन, आईसीडीएस और मत्स्य पालन पहलों पर भी चर्चा की। एनआरएलएम के तहत 846 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को सहायता दी गई है, जिसका फोकस स्थानीय समुदायों के लिए कौशल विकास और आय सृजन पर है।

इससे पहले विधायक ने आरएंडबी, पीएचई और आरईडब्ल्यू सहित विभिन्न विभागों के कार्यकारी अभियंताओं के साथ चल रहे और प्रस्तावित कार्यों की स्थिति का आकलन करने के लिए चर्चा की।

न्यायमूर्ति हसनैन मसूदी ने उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि जिन मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता है, उन्हें लोगों के कल्याण के लिए समय पर हस्तक्षेप के लिए उचित मंचों पर उठाया जाएगा।

सचिव डीएलएसए गंदेरबल ने कानूनी सहायता लाभार्थियों की प्रगति की समीक्षा की

tEe yík[k fotu C;jk

गंदेरबल : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) गंदेरबल के अध्यक्ष अब्दुल नासिर के निर्देशों के तहत, सचिव डीएलएसए गंदेरबल, शेख बाबर हुसैन ने आज कानूनी सहायता लाभार्थियों के सौंपे गए मामलों की स्थिति और प्रगति पर चर्चा करने के लिए जिला गंदेरबल के कानूनी सहायता बचाव वकीलों और पैनल वकीलों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक का उद्देश्य वर्तमान स्थिति का आकलन करना, चुनौतियों का समाधान करना तथा जरूरतमंदों और समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करने के तरीकों की खोज करना था।

सचिव डीएलएसए ने हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और घरेलू हिंसा के पीड़ितों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करने के महत्व पर बल दिया।

बैठक के दौरान उन्होंने लंबित मामलों की समीक्षा और मामलों के शीघ्र निपटान के लिए रणनीति, समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए न्याय तक पहुंच बढ़ाने और उपलब्ध कानूनी सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने सहित प्रमुख पहलुओं पर भी चर्चा की।

सचिव डीएलएसए ने कानूनी सहायता बचाव परामर्शदाताओं और पैनल वकीलों से सभी लाभार्थियों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में लगन से काम करने का आग्रह किया, विशेष रूप से गंदेरबल जिले में कमजोर समुदायों को सशक्त बनाने में कानूनी सहायता की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।

डीएलएसए बांदीपोरा ने ट्रांसजेंडर के अधिकार पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

tEe yík[k fotu C;jk

बांदीपोरा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) बांदीपोरा ने तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण सुम्बल के साथ समन्वय में और शिक्षा विभाग बांदीपोरा के सहयोग से आज सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगाम सुम्बल में श्ट्रांसजेंडर के अधिकारश पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डीएलएसए बांदीपोरा के अध्यक्ष खलील अहमद चौधरी की देखरेख और डीएलएसए बांदीपोरा के सचिव इकबाल अहमद अखून के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य तृतीय लिंग समुदाय को उनके मौलिक अधिकारों, कानूनी सुरक्षा और न्याय तक पहुंच के बारे में शिक्षित करना था।

एडवोकेट आबिद हुसैन मल्ला और एडवोकेट इरशाद अहमद डार रिसोर्स पर्सन/पैनल वकील टीएलएससी सुंबल ने तीसरे लिंग, ट्रांसजेंडर अधिकारों के महत्व पर जोर दिया और उन कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला जो उन्हें भेदभाव और हिंसा से बचाते हैं। उन्होंने तीसरे लिंग, ट्रांसजेंडरों को सशक्त बनाने में कानूनी सहायता और सामुदायिक समर्थन की भूमिका पर भी चर्चा की।

प्रतिभागियों को तीसरे लिंग और ट्रांसजेंडरों के लाभ के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

ब्रिटेन से 102 टन सोना... दिवाली पर आरबीआई का बड़ा अपडेट, चौंकाने वाले ऐलान से कई देश परेशान

tEe yík[k fotu C;jk

तीन दशक पहले की बात है। मुंबई एयरपोर्ट पर एक चार्टेड विमान खड़ा था। इस प्लेन में भारत सरकार ने सोना रखवाया। इस सोने को लेकर प्लेन इंग्लैंड के लिए उड़ गया और बदले में भारत सरकारो क पैसे मिले। कहानी साल 1991 की है। उस समय भारत की आर्थिक स्थिति चरमा चुकी थी और देश के पास कुछ दिनों का विदेशी मुद्रा भंडार बचा था। हालात ऐसे बन गए थे कि भारत को अपना सोना गिरवी रखकर कर्ज लेना पड़ा। इसके बाद देश के सामने ऐसी नौबत कभी नहीं आई। आज के टाइम में भारत के खजाने में सैकड़ों टन सोना और अरबों की कीमत का विदेशी मुद्रा भंडार है। अब आरबीआई ने ऐसा काम किया है जिसे सुनकर कापी लोगों को खुशी मिलेगी।

100 टन सोना वापस लाकर कहां रखा गया

भारत ब्रिटेन से 100 टन सोना वापस ले आया है। धनतेरस पर भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि भारत के भीतर सुविधाओं को सुरक्षित करने के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड की तिजोरियों से 102 टन सोना स्थानांतरित किया है। सितंबर के अंत में, आरबीआई के पास मौजूद 855 टन सोने में से 510.5 टन देश में सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। अपना सोना लाने के पीछे भारत की मंशा देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करना है। जानकारी के मुताबिक आरबीआई आने वाले समय में और भी गोल्ड वापस ला सकता है।

ब्रिटेन में सोना क्यों रखता है आरबीआई?

भारतीय रिजर्व बैंक भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपना सोना रखता है। आरबीआई के आधे से ज्यादा गोल्ड भंडार विदेश में बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट के पास सुरक्षित रखे गए हैं। ब्रिटेन का बैंक ऑफ इंग्लैंड परंपरागत रूप से सोने का भंडार गृह है। भारत की आजादी से पहले ही कुछ मात्रा में सोना लंदन में जमा है क्योंकि आजादी से पहले ब्रिटेन बैंक ऑफ इंग्लैंड में भारत का सोना रखता था। इसलिए आजादी के बाद भी भारत ने कुछ सोना लंदन में ही रखा हुआ है। आखिरी बार साल 1991 में आरबीआई ने इंग्लैंड से सोना वापस भारत में मंगवाया था। यही नहीं जब 1991 में जब भारत की इकोनॉमी डूब रही थी और उसके पास सामान इंपोर्ट करने के लिए डॉलर नहीं थे तो उसने सोने को गिरवी रख पैसे जुटाए थे और फाइनेंशियल क्राइसिस से बाहर आया था।

दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड कस्टोडियन

दूसरे देशों में सोना रखने के पीछे सुरक्षा, व्यापार जैसे कारणों का भी हवाला दिया जाता रहा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि आज देश की अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है। इसलिए आरबीआई धीरे धीरे विदेशों में जमा सोने की मात्रा कम कर रहा है। इसे भारत ला रहा है। माना जा रहा है कि भारत अपना सोना वापस ला रहा है ताकी देश की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो सके। ब्रिटेन से सोना लाने पर भारतीय रिजर्व बैंक को भंडारन लागत यानी गोल्ड स्टाक कास्ट बचाने में भी मदद मिलेगी। जानकारी के मुताबिक भारत का ये सोना वापस देश में लाने के लिए रिजर्व बैंक को विशेष इंतजाम करने पड़े हैं। अब, 324 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स की सेफ कस्टडी में रखा गया है। ये न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के बाद दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड कस्टोडियन है।

1991 में भारत के सोना गिरवी रखने की कहानी

1991 के दशक की शुरुआत में देश की अर्थव्यवस्था की हालत काफी खरबा थी। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भारत की रेटिंग काफी नीचे कर दी थी। नौबत ऐसी आ गई थी कि अंत. रराष्ट्रीय बाजार में भारत के डिफॉल्टर हो जाने का खतरा पैदा हो गया था। इस मुश्किल घड़ी में वित्त मंत्रालय में ज्वाइंट सेक्रेटरी वाईवी रेड्डी ने मौजूदा भारत सरकार को सोने को गिरवी रखने की सलाह दी।

कुल मिलाकर 20 हजार किलो सोने को गिरवी रखने पर सहमति बनी और ये योना स्विजरलैंड की यूबीएस बैंक में गिरवी रखा गया। इससे मिले पैसों से देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर नहीं लौट पाई। विदेश से सामान खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे। भारत का विद. शी मुद्रा भंडार लगभग खाली हो चुका था। कुछ समय बाद 21 जून 1991 को पीवी नरसिम्हा राव भारत के प्रधानमंत्री बने।

उनके वित्त मंत्री मनमोहन सिंह थे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार तत्कालीन कैबिनेट सचिव नरेंद्र चंद्रा ने पीवी नरसिम्हा राव को देश की माली हालत समझाते हुए कहा कि देश के पास दो से तीन हफ्ते का इंपोर्ट बिल भरने के बराबर विदेशी मुद्रा बची है। नई सरकार ने 47 टन सोना गिरवी रखा।

उपमुख्यमंत्री ने झिरी मेला की तैयारियों की समीक्षा की, किसान कल्याण पर ध्यान देने पर जोर दिया

tEe yík[k fotu C;jk

जम्मू : आगामी झिड़ी मेले की तैयारियों पर आज यहां आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा, ष्अपने किसानों के प्रति समर्पित समर्थन के साथ, हम बावा जित्तो की विरासत का सम्मान करते हैं, जिनका जीवन और बलिदान हमारे क्षेत्र के प्रत्येक किसान के साथ प्रतिध्वनित होता है।ष

14–24 नवंबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में लगभग 20 लाख आगंतुक. ों के आने की उम्मीद है, जिससे सरकारी विभागों के लिए ग्रामीण आबादी को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने का अवसर मिलेगा।

बैठक की अध्यक्षता करने वाले सुरिंदर चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि झिरी मेला न केवल स्थानीय कृषि के लिए बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपस्थित लोगों, खासकर किसानों को कृषि उन्नति, उपलब्ध बीजों और उर्वरकों के बारे में शिक्षित करने के लिए अधिक प्रयास करने की वकालत की।जम्मू पर्यटन पैकेज

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष कियोस्क स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों का कल्याण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा, ष्यह कार्यक्रम स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने और जम्मू–कश्मीर से बाहर के आगंतुकों के लिए पारंपरिक कलाओं को उजागर करने का एक मंच है। जिला विकास परिषद के अध्यक्ष भारत भूषण ने बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर जोर दिया, उन्होंने सिफारिश की कि मेला शुरू होने से पहले सभी मुख्य और संपर्क सड़कों पर तारकोल बिछा दिया जाए। उन्होंने बावा तालाब के महत्व को रेखांकित किया, इसके पुनरुद्धार और बेहतर पहुंच का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ष्झिरी के सांस्कृतिक महत्व के साथ, हमें सूरजकुंड मेले जैसे आयोजनों में देखे जाने वाले व्यापक विकास का लक्ष्य रखना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों को निविदा प्रक्रियाओं में किसी भी तरह की अनियमितता के खिलाफ चेता. वनी दी और साथ ही गड़बड़ी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। उन्होंने कार्यक्रम में स्वच्छता, सार्वजनिक सुरक्षा और खेती के औजारों के उचित मूल्य निर्धारण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की सुविधा पर ध्यान केंद्रित करेगा, उन्होंने आश्वासन दिया कि आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के उपाय किए जाएंगे। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अनसूया जामवाल ने अपने ब्रीफिंग में मेले के लिए योजनाबद्ध सांस्कृतिक आकर्षणों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें कुश्ती प्रतियोगिता, बावा जित्तो पर एक थिएटर नाटक और विभागीय स्टॉल शामिल थे।

मेला अधिकारी, एसडीएम मढ़ ने भीड़ प्रबंधन, पार्किंग, स्वास्थ्य सेवाओं और निर्बाध पानी और बिजली आपूर्ति के लिए योजनाओं की रूपरेखा तैयार की। आयुक्त जेएमसी, देवांश यादव, एसपी ग्रामीण बृजेश शर्मा और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस वर्ष के झिरी मेले को एक यादगार और प्रभावशाली आयोजन बनाने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

एएम डिग्री कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

tEe yík[k fotu C;jk

श्रीनगर : मानसिक स्वास्थ्य के बढ़ते महत्व को देखते हुए अब्दुल अहद आज़ाद मेमोरियल डिग्री कॉलेज, बेमिना, श्रीनगर ने गुरुवार को कॉलेज के सभागार में श्मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता बनानाश शीर्षक से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग, मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ, कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और टेली–मानस कश्मीर इकाई के सहयोगात्मक प्रयास का परिणाम था। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज की वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफेसर फौजिया दुर्रानी के संबोधन से हुई, जिन्होंने छात्रों और कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इसके बाद आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के समन्वयक डॉ. मुशर्रफ रहमान ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण अब्दुल अहद आज़ाद मेमोरियल डिग्री कॉलेज, बेमिना और टेली–मानस कश्मीर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होना था।

एडीसी हंदवाड़ा ने राजवार क्षेत्र का दौरा किया , विकास परियोजनाओं का मौके पर निरीक्षण किया

tEe yík[k fotu C;jk

कुपवाड़ाः अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) हंदवाड़ा , अजीज अहमद राथर ने हंदवाड़ा के राजवार क्षेत्र में चल रही कई विकास परियोजनाओं का व्यापक निरीक्षण किया , और उपमंडल में लोगों के जीवन को ऊपर उठाने में उनके महत्व पर जोर दिया।

इस यात्रा का उद्देश्य प्रमुख पहलों पर हुई प्रगति का आकलन करना तथा स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए परियोजनाओं का समय पर पूरा होना सुनिश्चित करना था।

बेहनीपोरा में एडीसी को जल संसाधन विभाग के प्रति. निधियों द्वारा जानकारी दी गई। उन्होंने सतकोजिन जलापूर्ति योजना के संबंध में श्री शक्ति से चर्चा की। उन्होंने अब तक किए गए प्रयासों की सराहना की तथा अधिकारियों को परियोजना की समय–सीमा को पूरा करने के लिए कार्य की गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

लछमपोरा में चल रहे मैकडैमाइजेशन /ब्लैक टॉप कार्य का भी निरीक्षण किया।

डोगरीपोरा सड़क और लछमपोरा का चल रहा निर्माण कार्य सतकोजिन रोड. अपने दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

शोपियां शहर के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने पर बैठक की अध्यक्षता की

tEe yík[k fotu C;jk

शोपियांः जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) शोपियां , मोहम्मद शाहिद सलीम डार ने आज मुख्य नगर योजनाकार और नगर निगम शोपियां के अधिकारियों की एक बैठक बुलाई ताकि वर्तमान भू–आवरण और भूमि उपयोग परिवर्तनों के अनुसार शोपियां शहर के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान के शीघ्र निर्माण को अंतिम रूप दिया जा सके । सरकार ने मुख्य नगर नियोजक को भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तकनीक का उपयोग करके डेटा एकत्र करने, उसका विश्लेषण करने और उसका प्रबंधन करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने का काम सौंपा है। इसमें आधार मानचित्र बनाना, डेटा संग्रह और विश्लेषण, अवधारणा/ बुनियादी ढांचे/ भूमि उपयोग योजना तैयार करना, मसौदा योजना और अंतिम मास्टर प्लान जैसे कदम शामिल होंगे। शोपियां द्वारा अनुमति से संबंधित देरी को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान को यथाशीघ्र तैयार करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए । शाहिद ने इच्छा व्यक्त की कि एक व्यापक योजना बनाई जाए तथा इसके निर्माण के प्रत्येक चरण में जनता और हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श किया जाए। इस अवसर पर सीटीपी कश्मीर ने बताया कि जीआईएस आधारित मास्टर प्लान एक व्यावहारिक योजना होगी, क्योंकि इसका प्रत्येक चरण लाइव पर्यावरण और जमीनी सच्चाई पर आधारित होगा, जो उपग्रह और ड्रोन इमेजिंग द्वारा डेटा संग्रह के माध्यम से संभव होगा।

ऊर्जा उपभोक्ताओं को ब्याज मुक्त ऋण की पेशकश की

किलोवाट तक के प्लांट के लिए 5: मार्जिन मनी , 10 किलोवाट तक के प्लांट के लिए 10: मार्जिन मनी

tEe yík[k fotu C;jk

घर के तहत सौर छतों की स्थापना को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए रू एमबीवाई, जम्मू और कश्मीर के प्रमुख वित्तीय संस्थान, जम्मू और कश्मीर बैंक ने कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) के साथ हाथ मिलाया है ताकि इच्छुक घरेलू उपभोक्ताओं को 10 किलोवाट तक के आरटीएस संयंत्रों के लिए संपार्श्विक–मुक्त और ब्याज–अनुकूल ऋण सुविधा प्रदान की जा सके ।

एक प्रमुख निर्णय में, जेएंडके बैंक ने एमएनएंडआरई की प्रमुख योजना के तहत आरटीएस की पूरी लागत को वहन करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को इस योजना को अपनाने के लिए बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिलेगा, जिसमें 3 किलोवाट तक के संयंत्रों के लिए 60: सब्सिडी दी जाती है ।

आज यहां जारी एक प्रेस बयान में केपीडीसीएल के प्रवक्ता ने कश्मीर संभाग में पीएम सूर्य घर योजना को घर–घर तक पहुंच. ाने के लिए बैंक द्वारा कश्मीर डिस्कॉम के साथ साझेदारी करने के फैसले का स्वागत किया । उन्होंने बताया, ष्वे सभी उपभोक्ता जिन्होंने राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, वे अब जन समर्थ पोर्टल पर भी आवेदन कर सकते हैं या ऋण सुविधा का लाभ उठाने के लिए निकटतम जेएंडके बैंक शाखा में जा सकते हैं।ष

घर के राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकृत इच्छुक उपभोक्ता 3 किलोवाट तक के प्लांट के लिए मात्र 5: के न्यूनतम लाभार्थी अंशदान पर अनुक. ूल ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त कर सकते हैं । उन्होंने कहा, ष3 किलोवाट से अधिक और 10 किलोवाट तक के आरटीएस प्लांट के लिए , जेएंडके बैंक से अग्रिम ऋण प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता को 10: की मार्जिन मनी जमा करनी होगी।ष

कश्मीर संभाग में 3253 घरेलू उपभोक्ताओं ने औपचारिक रूप से राष्ट्रीय पोर्टल पर आवेदन किया है, जिनमें से 1182 ने विक्रेताओं का चयन किया है। इस योजना के तहत लगभग 200 उपभोक्ताओं ने पहले ही 748.07 किलोवाट की स्थापित क्षमता के साथ सौर छत–टॉप स्थापित कर लिए हैं।

केपीडीसीएल के प्रवक्ता ने उम्मीद जताई कि जेएंडके बैंक के केपीडीसीएल के साथ हाथ मिलाने से रूफ–टॉप सोलर योजना को अपनाने में रुचि रखने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में काफी वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा, ष्योजना के तहत केंद्र और केंद्र शासित प्रदेशों की सब्सिडी, जिसकी अधिकतम सीमा 94,800 रुपये है, को संयंत्र चालू होने के तुरंत बाद उपभोक्ता द्वारा लिए गए ऋण के साथ समायोजित किया जाएगा,ष उन्होंने कहा कि ईएमआई को तदनुसार समायोजित किया जाएगा।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि एसबीआई, पीएनबी और केनरा बैंक जैसे कई राष्ट्रीयकृत बैंक भी उपभोक्ताओं को सौर रूफ–टॉप उपकरणों की लागत वहन करने के लिए अनुकूल ईएमआई–आधारित ऋण लेने के लिए प्रेरित करने हेतु इसी प्रकार की ऋण सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

स्वामित्व, प्रकाशक एवम् मुद्रक संजीव कुमार मनमोत्रा द्वारा जन संपर्क प्रिंटिंग प्रेस सिधरा, जम्मू से मुद्रित करवाकर तथा अटल विहार हेरिटेज स्कूल सैनिक कॉलोनी जम्मू से प्रकाशित किया गया संपादक : संजीव कुमार मनमोत्रा, मोबाइल न : 9419141189, ईमेल : editorjammuladakhvision1@gmail.com